RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 150 ● भिलाई, गुरुवार 18 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### उधमपुर में गोलीबारी में एक पुलिस कर्मी शहीद, आतंकवादी घायल

**जम्मू।** जम्मू और कश्मीर के उधमपुर जिले में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान में एक जम्मू-कश्मीर पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक आतंकवादी के घायल होने की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि जिले की मजालता तहसील के सोहन गांव में हुई गोलीबारी में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के एक स्थानीय पुलिसकर्मी की मौत हो गई। माना जा रहा है कि एक आतंकवादी घायल हुआ है। कॉन्स्टेबल की पहचान अमजद पठान, पुत्र बशरत खान, निवासी सलवा, मेंढर, जिला पुंछ के रूप में हुई है। दो अन्य एसओजी के जवान भी घायल हुए हैं। सुबह गोलीबारी बंद हो गई, लेकिन इलाके में कड़ी सुरक्षा घेराबंदी कर दी गई है और आतंकवादियों के भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। मुठभेड़ गांव में तब शुरू हुई जब संयुक्त बलों ने पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े माने जाने वाले तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया।

### सड़क पर फिसलन से नदी में जा गिरा तेज रफ्तार ट्रक

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड के बीच कुदरत का सफेद कहर शुरू हो गया है। जोजिला-द्रास और शिंकुला समेत कई पर्वतीय क्षेत्रों में सोमवार को ताजा बर्फबारी हुई, जहां करीब 1 से 2 इंच तक बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। बर्फबारी के चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान भी आसमान में बादल छाए रहने और जोजिला व शिंकुला जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में और अधिक बर्फबारी होने का अनुमान जताया है, जिससे ठंड का प्रकोप और बढ़ने की आशंका है। बर्फबारी की इस खूबसूरती के बीच सड़कों पर बनी फिसलन जानलेवा साबित हो रही है। इसी फिसलन के कारण पांड्रास वॉर मेमोरियल के पास एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से फिसलते हुए सीधे नदी में जा गिरा। यह पूरा हादसा वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

### पंजाब में कबड्डी मैच के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग

**मोहाली।** पंजाब के मोहाली में खेल के मैदान में उस वक्त दहशत फैल गई, जब सोहाना के सेक्टर-82 में चल रहे एक कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान दिनदहाड़े फायरिंग हो गई। मैच के बीच में ही बोलेरो सवार अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इस हमले में टूर्नामेंट के प्रमोटर कर रहे एक युवक को गोली लगी है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। घटना की गंभीरता इसलिए और बढ़ गई है। क्योंकि इस कार्यक्रम में मशहूर पंजाबी गायक मनकीरत औलख भी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने वाले थे।

इथियोपियाई संसद में बोले पीएम मोदी

# भारत-इथियोपिया के रिश्ते अब कूटनीतिक साझेदारी के स्तर पर

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथियोपिया दौरे के दूसरे दिन इथियोपिया के अदीस अबाबा में स्थित अदवा विजय स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद इथियोपिया की संयुक्त संसद के सत्र को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत और इथियोपिया के खास संबंध और मजबूत दोस्ती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कल मुझे इथियोपिया की तरफ से जो सम्मान मिला- निशान-ए-इथियोपिया उसके लिए मैं प्रधानमंत्री अबी अहमद का आभारी हूं। हम इथियोपिया सरकार और प्रधानमंत्री को शुक्रिया कहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इथियोपिया दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से है। यहां इतिहास पहाड़ियों, गांवों और लोगों के दिलों में भी दिखता है। आज इथियोपिया अपने पैरों पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि पुराने और नए का संगम यह संतुलन इथियोपिया की असम मजबूती है। यह ऊर्जा हम भारतीयों के लिए काफी परिचित है। बता दें कि इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में एक बार फिर खास नजारा देखने को मिला। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद खुद अपनी कार चलाकर पीएम मोदी को एयरपोर्ट तक छोड़ने पहुंचे। एयरपोर्ट पहुंचने पर प्रधानमंत्री अबी अहमद ने पीएम मोदी की विदाई दी और उनके विमान में सवार होने तक मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी ओमान के लिए रवाना हो गए।इस तरह की व्यक्तिगत विदाई को दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती और आपसी सम्मान का प्रतीक माना जा रहा है। इससे पहले इथियोपिया के संसद को संबोधित करने के दौरान उन्होंने भारत और इथियोपिया के मजबूत होते कूटनीतिक रिश्तों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की कंपनियों ने इथियोपिया में काफी व्यापार की संभावनाएं देखी हैं। यहां भारतीय कंपनियों ने 5 अरब डॉलर से ज्यादा निवेश किया है और यहां कई लोगों को नौकरियां मुहैया कराई हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि हमारे व्यापारिक रिश्तों में अभी काफी संभावनाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमने फैसला किया है कि हमारे द्विपक्षीय रिश्ते अब कूटनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाई जाएगी। इससे हमारी अर्थव्यवस्थाएं, साझा तौर पर बढ़ेंगी। खनन, हरित ऊर्जा से लेकर कई और क्षेत्रों में हम साथ काम करेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य सुरक्षा में भी हम अपने सहयोग को बढ़ाएंगे और खाद्य सुरक्षा के लिए काम करेंगे। हम कृषि क्षेत्र के लिए भी काफी काम कर सकते हैं। हम अपने ज्ञान का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कर सकते हैं। इथियोपिया की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत में हर नागरिक तकनीक का इस्तेमाल भुगतान, पहचान और सरकारी सेवाओं में भी कर सकता है। पूरी दुनिया के रीयल टाइम डिजिटल पेमेंट में आधी हिस्सेदारी भारत में ही है। हमने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर का भी लाभ लोगों को दिया है, जिससे लोगों को बिना किसी भ्रष्टाचार के सीधे उनके खातों में राशि मिलती है।

### भारत-इथियोपिया का एक मंत्र- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र हमारा नारा है। उन्होंने भारत का राष्ट्रगीत वंदे मातरम और इथियोपिया का राष्ट्रगीत अपने देश का मां के तौर पर जिक्र करता है। यह हमें हमारी संस्कृति, विरासत, राष्ट्रीय सुंदरता और जमीन की सुरक्षा का संदेश देते हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हजारों भारतीय टीचर इथियोपिया आए हैं, ये बच्चों को एडिस अबाबा से लेकर अलग-अलग शहरों में पढ़ा रहे हैं। ये इथियोपियाई स्कूल आते हैं और इथियोपियाई लोगों के दिलों पर छा जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज इथियोपिया के कई अभिभावक भारत के शिक्षकों के बारे में काफी अच्छी बातें करते हैं।

### 2000 साल पहले बने थे भारत इथियोपिया के बीच रास्ते

पीएम मोदी ने बताया कि करीब 2000 साल पहले भारत और इथियोपिया के बीच समुद्र के रास्ते संपर्क बने थे। उस समय भारतीय महासागर के जरिए व्यापारी मसाले और सोना लेकर आते-जाते थे। लेकिन यह व्यापार सिर्फ सामान तक सीमित नहीं था, बल्कि विचारों और जीवनशैली का भी आदान-प्रदान होता था। उन्होंने कहा कि अदीस अबाबा और धोलावीरा जैसे बंदरगाह सिर्फ व्यापार केंद्र नहीं थे, बल्कि सभ्यताओं को जोड़ने वाले पुल थे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि आधुनिक इतिहास में भारत और इथियोपिया के रिश्ते और मजबूत हुए। उन्होंने कहा कि 1941 में इथियोपिया की आजादी के लिए भारतीय सैनिकों ने इथियोपियाई लोगों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी।

हिजाब वीडियो को लेकर नीतीश कुमार पर कसा तंज

# सीएम उमर अब्दुल्ला बोले-अब असली चेहरा सामने आ रहा है

**नई दिल्ली।** जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर एक वायरल वीडियो को लेकर तीखा प्रहार किया, जिसमें कथित तौर पर उन्हें एक महिला का हिजाब हटाने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री को धर्मनिरपेक्ष नेता माना जाता था, लेकिन अब उनका असली चेहरा सामने आ रहा है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस तरह की हरकतें अस्वीकार्य हैं। उन्होंने अतीत में जम्मू और कश्मीर में हुए चुनावों के दौरान हुई इसी तरह की एक घटना का जिक्र किया। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा कि यहां भी, चुनावों के दौरान, महबूबा मुफ्ती ने मतदान केंद्र पर एक महिला मतदाता का बुर्का हटवाया था। वह भी दुर्भाग्यपूर्ण था, और यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले नीतीश कुमार को धर्मनिरपेक्ष नेता माना जाता था। अब नीतीश कुमार का असली चेहरा सामने आ रहा है। पटना में एक सरकारी कार्यक्रम का वीडियो वायरल होने के बाद विपक्षी दलों की ओर से इसकी कड़ी आलोचना हो रही है। इस वीडियो में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक महिला को प्रमाण पत्र देते समय उसका हिजाब खींचते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। वीडियो में यह घटना मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित एक समारोह के दौरान घटी, जहां नए भर्ती हुए आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे। महिला के कुछ कहने से पहले ही कुमार ने हाथ बढ़ाकर उसका हिजाब नीचे कर दिया, जिससे उसका मुंह और ठोड़ी दिख गई।

### कर्नाटक के लोकप्रिय यूट्यूब लोक गायक और 6 अन्य लोगों के खिलाफ पॉक्सो का केस दर्ज

**बागलकोट।** कर्नाटक पुलिस ने एक नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले में मशहूर यूट्यूब लोक गायक और 6 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साथ ही, उन पर प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस एक्ट (पॉक्सो) भी लगाया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता बेलगावी की रहने वाली है और एक ऑर्केस्ट्रा प्रोग्राम में डांस करने आई थी।

महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका!

# एमएलसी सातव भाजपा में हो सकती हैं शामिल

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लग सकता है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की एमएलसी प्रज्ञा सातव जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकती हैं। प्रज्ञा सातव दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राजीव सातव की पत्नी हैं। पति के निधन के बाद कांग्रेस पार्टी ने उन्हें एमएलसी बनाया था। उनके संभावित दल-बदल को महाराष्ट्र की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है और इससे नगर निगम चुनावों में कांग्रेस पार्टी की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने सोमवार को घोषणा की कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी, 2026 को एक ही चरण में होंगे।

ईडी की अपील खारिज होने पर कांग्रेस

# राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न की कहानी थी- मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न की कहानी है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि कानून ने शोर से ज्यादा जोर से बात की है। बता दें कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में धनशोधन के आरोपों से जुड़ी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, ये लोग ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों का उपयोग करके हमारे लोगों को बदनाम कर रहे हैं। खासकर गांधी परिवार को सताने के लिए उन्होंने ये केस डाला है। नहीं तो उसमें कुछ नहीं है। कोई एफआईआर नहीं है। कोई व्यक्ति शिकायत डालता है और ये उस पर कार्रवाई करते हैं। जिस चीज में कोई दम नहीं है, उसमें दम भरने की कोशिश करके हमारे लोगों का उत्पीड़न करते हैं। हमारी कांग्रेस पार्टी के बहुत से नेता, 50 बड़े नेता जो उनसे सहानुभूति नहीं रखते हैं, उनके खिलाफ ईडी का केस डालकर उन्हें सता रहे हैं। उन्होंने धनशोधन का मुकदमा डालकर कई लोगों को अपनी ओर किया है। कई सांसदों को अपनी ओर किया है और कई जगह सरकारें बनाई हैं। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को मंगलवार को बड़ी राहत मिली, जब कोर्ट ने दोनों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफसे दोनों के खिलाफ दायर किए गए।

### पैसों के विवाद में बुजुर्ग माता-पिता को उतारा मौत के घाट दिया

**जौनपुर।** उत्तर प्रदेश के जौनपुर से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। रिश्तों को कलंकित करने वाले कलयुगी पुत्र ने अपने बुजुर्ग मां-बाप की हत्या कर शव को नदी में फेंक दिया। मामला जफराबाद थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव का है। इकलौते बेटे ने पैसे के विवाद में बुजुर्ग माता-पिता के सिर पर सिलबट्टे से वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद शवों को बोरे में भरकर गोमती नदी में फेंक दिया। जानकारी के मुताबिक, पुत्र ने प्रेम विवाह किया था, जिससे घर में पैसों को लेकर आए दिन विवाद हो रहा था। घटना बीते आठ दिसंबर को हुई थी। घटना के पांच दिन बाद वाराणसी में रहने वाली बेटी ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

उत्पादन में पीछे, विनिर्माण क्षेत्र को चाहिए गति

# राहुल गांधी का जर्मनी से मेक इन इंडिया पर जोर दिया गया

नई दिल्ली/ एजेंसी

बुधवार को जर्मनी दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के गिरते विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और कहा कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाना होगा। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, गांधी बीएमडब्ल्यू कारखाने के अपने दौरे के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि हम बीएमडब्ल्यू कारखाने गए थे - शानदार अनुभव रहा - और मुझे यह देखकर विशेष रूप से खुशी हुई कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है, और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी। यह देखकर अच्छा लगा कि यहां भारतीय ध्वज लहरा रहा है। वीडियो में गांधी ने आगे कहा, भारत को उत्पादन शुरू करने की जरूरत है। उत्पादन किसी भी देश की सफलता की कुंजी है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है; वास्तव में इसे बढ़ना चाहिए। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जर्मनी के अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान बर्लिन हवाई अड्डे पर आगमन पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे आज होने वाले एक महत्वपूर्ण आईओसी कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं, जहां वे यूरोप भर के आईओसी नेताओं से मिलेंगे। उनके आगमन पर आईओसी टीमों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्वागत किया और सभी के चेहरे पर मुस्कान थी। यह कार्यक्रम कांग्रेस की वैश्विक पहुंच और गतिविधियों को मजबूत करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

कार्यवाही तीन बार स्थगित......

# सत्य मेव जयते' पोस्टर के साथ कांग्रेस विधायक पहुंचे विधानसभा

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकगण सत्य मेव जयते पोस्टर के साथ सदन में पहुंचे। सत्ता पक्ष के विधायकों ने इसका विरोध किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा की नियमावली अंतर्गत इस तरह पोस्टर लेकर सदन में नहीं आया जा सकता। पोस्टर को लेकर सदन के भीतर लगातार शोरगुल की स्थिति बनी रही और विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही 3 बार स्थगित करनी पड़ी। कार्यवाही शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान पोस्टर लिए, कांग्रेस विधायकगण सदन के भीतर प्रवेश किए, भाजपा विधायक व्दय अजय चंद्राकर एवं धर्मजीत सिंह ने इस पर आपत्ति की। इनकी बातों का नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव ने विरोध किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रश्नकाल का एक घंटा काफी महत्वपूर्ण बताते हुए कांग्रेस विधायकों से पोस्टर बाहर छोड़कर आने कहा। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कुछ कहना चाहा तो पुन: अजय चंद्राकर एवं धर्मजीत सिंह की ओर से विरोध शुरू हो गया। इसके बाद दोनों तरफ से शोरगुल होने लगा। नारेबाजी होनी लगी। विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो कांग्रेस विधायकगण फिर पोस्टर के साथ पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बोलना शुरु किया ही था कि अजय चंद्राकर की तरफ से तेज विरोध शुरु हो गया। फिर दोनों तरफ से शोरगुल होने लगा। अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही दोबारा 10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही पुन: शुरु होने पर पूर्व वाला ही घटनाक्रम सामने था। कांग्रेस विधायकगण पोस्टर लिए हुए थे। डॉ. चरणदास महंत ने कहना शुरु ही किया था कि अजय चंद्राकर की ओर से तेज आवाज आनी शुरु हो गई। इसके साथ ही सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों ही तरफ से भारी शोरशराबा होने लगा। विधानसभा अध्यक्ष ने संविधान की किताब का हवाला देते हुए इस तरह पोस्टर लेकर आने पर नाराजगी जताई और कहा कि सदन 12 बजे के बाद लगेगा। आगे की कार्यवाही में पोस्टर हटाकर भाग लें।

### वंदे मातरम् पर विधानसभा में चर्चा, डॉ.रमन ने कहा- हम नये युग की तरफबढ़ रहे...

रायपुर। विधानसभा में आज वंदे मातरम् पर भी चर्चा हुई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् केवल गान नहीं अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। वंदे मातरम् पर इस सदन में चर्चा इसलिए जरूरी है कि आज हम नए युग की तरफबढ़ रहे है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि महान कवि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय व्दारा वंदे मातरम् लिखे जाने के बाद जब उसके 50 वर्ष पूरे हुए तब भारत देश अंग्रेजों का गुलाम था। वंदे मातरम् के 100 साल पूरे हुए तो देश में इमर्जेन्सी लगी थी। आज जब वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे है तो देश में मोदी जी सरकार है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज के दिन इस सदन में हमारे लिए गौरवशाली अवसर है कि हम सब नये भारत के निर्माण में अपनी भूमिका दर्ज कराएं।

### इतिहास को न बिगाड़ें- डॉ. महंत

वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि यह समझ से परे है कि बीच-बीच में नेहरू जी की बात की जाने लगती है। कहा जाता है कि नेहरू जी ने इस गीत को तोड़ा और वह विभाजन का कारण बना। सच्चाई यह है कि नेहरू जी का इस गीत को लेकर व्यापक दृष्टिकोण था। इस गीत से देश को नई ताकत मिले इसलिए गीत की दो महत्वपूर्ण पंक्तियों को स्वीकार किया। मैं यह कहना चाहूंगा कि हम इतिहास को न बिगाड़ें।

# क्रेडा द्वारा स्कूलों एवं महाविद्यालयों में ऊर्जा नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन

**बेमेतरा।** छत्तीसगढ़ शासन के रजत जयंती वर्ष 2025 के अंतर्गत जिले में 14 दिसंबर से 20 दिसंबर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिलेभर में ऊर्जा संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विकासखंड बेरला अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी/अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय, कुसमी में ऊर्जा नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) एवं विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण विषय पर अपनी रचनात्मकता और नवाचार का प्रभावी प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत रंगोली, वाद-विवाद तथा मॉडल निर्माण जैसी विभिन्न विधाओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ऊर्जा बचत के संदेश को कलात्मक एवं वैज्ञानिक रूप में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडलों एवं प्रस्तुतियों में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ऊर्जा की बचत के घरेलू उपाय, एलईडी के उपयोग, तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया। निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के पश्चात प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रेडा द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन हुआ। इस अवसर पर क्रेडा के जिला प्रभारी आकाश शर्मा ने बताया कि ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान जिले के विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं एवं संवाद सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

# 22 दिनों में 50,453 किसानों से 527.28 करोड़ रुपये से अधिक की धान खरीदी, 72 घँटे में हो रहा भुगतान भी, किसान गदगद

## कलेक्टर ने धान उठाव के संबंध में मिलर्स की ली बैठक, शीघ्र धान का उठाव करने के दिए निर्देश

**बालोद।** जिले में धान खरीदी की गति लगातार बढ़ रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा किए गए व्यापक तैयारियों और खरीदी केंद्रों की निरंतर निगरानी से धान विक्रय में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं उठानी पड़ रही है। क्योंकि स्वयं बालोद जिले की कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रही हैं। बैठक के माध्यम से भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रही है। सोमवार तक बालोद जिले में 50 हजार 453 किसानों से 22 लाख 19 हजार 657 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, जिसकी कुल राशि 527 करोड़ 28 लाख 85 हजार 338 रुपये हैं। 152 करोड़ 8 लाख 90 हजार 906 रुपये की ऋण वसूली के बाद 375 करोड़ 19 लाख 94 हजार 432 रुपये सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। सीसीबी नोडल चिंता राम रावटे के अनुसार सोमवार तक जिले में 22 लाख 19 हजार 657 क्विंटल से अधिक धान खरीदी की जा चुकी है। जिले में 143 धान खरीदी केंद्रों पर प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को 3 हजार 177 किसानों को टोकन जारी किया गया है, जिनसे एक लाख 55 हजार 659 क्विंटल से अधिक धान की खरीदी की जाएगी।

### खरीदी में चौथे नंबर पर बालोद

धान खरीदी मामले में बालोद प्रदेश में चौथे स्थान पर है। पहले नंबर पर महासमुंद और दूसरे पर बेमेतरा हैं। सोमवार तक को स्थिति की बात करें तो 22 लाख 25 हजार 72 क्विंटल खरीदी के साथ बालोद पूरे प्रदेश में चौथे नंबर पर रहा। 91 हजार 767 क्विंटल मिलरो को जारी हुआ है, जिसके बाद उपार्जन केंद्रों में 21 लाख 33 हजार 305 क्विंटल धान उठाव हेतु शेष हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बालोद जिले में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में केन्द्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से धान खरीदी का कार्य अनवरत रूप से जारी है। जिले के किसानों से सुगमता पूर्वक धान खरीदी के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है, वहीं अवैध धान परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर किसानों के हितों का ध्यान में रखते हुए अब 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा तुहर टोकन एप्प में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में प्रदान कर दी है।

### एग्रीस्टेक पंजीयन से छूट

संस्थागत पंजीयन, भूमिहीन किसान (अधिया/रेगहा), डूबान क्षेत्र के किसान, वन अधिकार पटटाधारी किसान, ग्राम कोटवार (शासकीय पटटेदार) श्रेणी के किसानों को एग्रीस्टेक पंजीयन से छूट प्रदान की गई है । किसान पंजीयन का कार्य वर्तमान में जारी है। जिलों में विशेष चेकिंग दल का गठन राजस्व, खाद्य, सहकारिता, वन, मंडी आदि विभागों के अधिकारियों का गठन कर किया गया है।

### 118 केंद्र बफर लिमिट के ऊपर

जिले के 143 केंद्रों में 118 खरीदी केंद्र ऐसे है, जहां धान का स्टॉक बफर लिमिट के ऊपर हैं। इनमें 18 लाख 76 हजार 356 क्विंटल धान का स्टॉक मौजूद हैं। 5 खरीदी केंद्र में तो 25-25 हजार क्विंटल से अधिक धान पड़ा हैं। जिनमें कुसुमकसा में 28 हजार 552 क्विंटल, सांकरा/ज में 25 हज़ार 699 क्विंटल, सुरेगांव में 26 हजार 994 क्विंटल, कचांदुर में 25 हजार 894 क्विंटल और पलारी खरीदी केंद्र में 33 हजार 33 हजार 396 क्विंटल धान का स्टॉक रखा पड़ा हुआ हैं।

### मिलरो को शीघ्र धान के उठाव के निर्देश

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के अंतर्गत धान खरीदी केन्द्रों से समय-सीमा में धान का समुचित उठाव सुनिश्चित करने हेतु मिलर्स की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने मिलर्स को जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों से शीघ्र धान का उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं आरपी राठिया, जिला खाद्य अधिकारी तुलसी राम ठाकुर एवं जिला विपणन अधिकारी टिकेन्द्र राठौर सहित मिलर्सगण उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने अधिकारियों एवं मिलर्स से धान खरीदी केन्द्रवार धान के उठाव की बारी-बारी से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं मिलरो को शीघ्र धान के उठाव के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

# समन्वय समिति की आवश्यक बैठक

**दल्लीराजहरा।** छत्तीसगढ़ भवन में छत्तीसगढ़ समन्वय समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक चर्चा के साथ-साथ समिति भवन में निर्माण कार्य संबंधित एवं आगामी सत्र हेतु सामाजिक सदस्यता सहयोग राशि के संबंध में भी चर्चा किया गया। जिसमें संगठन को मजबूती प्रदान करने प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित करने, युवाओं को जोड़ने हेतु युवा प्रकोष्ठ का गठन करने, छत्तीसगढ़िया समाज के किसी भी वार्षिक कार्यक्रम के आयोजनों में सभी समाज के प्रमुख पदाधिकारियों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित करने, आगामी वर्ष 2026 का छत्तीसगढ़ समन्वय समिति का कलेंडर छपवाने, आगामी वर्ष हेतु सदस्यता शुल्क एवं सहयोग राशि संग्रहण हेतु तथा छत्तीसगढ़ भवन में अतिरिक्त शौचालय निर्माण हेतु भी विस्तार से चर्चा किया गया। बैठक में रामदास मानिकपुरी अध्यक्ष, तोरणलाल साहू महासचिव, घनश्याम पारकर संरक्षक, कोमल पटेल, राधेश्याम साहू उपाध्यक्ष, चेतनलाल साहू, विष्णु चंद्रवंशी, छगनलाल, संतराम सेन, छेदीलाल मालेकर, रोशन लाल सेन, क्रांतिलाल बघेल, गणेशप्रसाद निर्मलकर, बृजलाल सिन्हा, छन्नूलाल सेन, महेंद्र गंजीर, ममता घराना, विद्या रावते, मीनादास, राखी देशलहरा, रेखा पारकर, दामिनी साहू, निर्मल साहू, माया कौशिक, महेंद्र भट्ट, चंद्रकुमार भट्ट एवं पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

# जनहित या जेब भरने का खेल: बरसाती नाले पर दो पुलिया, पाइप पुलिया काफी थी फिर भी 40 लाख की स्वीकृति

**कवर्धा।** जिले के जनपद पंचायत बोड़ला अंतर्गत ग्राम पंचायत बाघुटोला के ग्राम खीरसाली में खनिज न्यास मद से स्वीकृत दो पुलिया निर्माण कार्य अब जनहित से अधिक जेब भरने के खेल के रूप में देखे जा रहे हैं। महज 20 मीटर की दूरी पर एक ही बरसाती नाले पर दो अलग-अलग पुलिया निर्माण की स्वीकृति ने प्रशासनिक निर्णय, तकनीकी औचित्य और सार्वजनिक धन के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, झाँगन तालाब के पास पुलिया निर्माण हेतु तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 517, दिनांक 11 जुलाई 2025 को 19.90 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। वहीं, उसी ग्राम में गेंदू तालाब के पास पुलिया निर्माण के लिए तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 579, 25 जुलाई को 19.50 लाख रुपए स्वीकृत किए गए। कुल मिलाकर लगभग 40 लाख रुपए की राशि दो पुलियों पर खर्च की जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों पुलिया निर्माण स्थल एक ही बरसाती नाले पर स्थित हैं, जिसमें साल के अधिकांश समय पानी नहीं रहता। स्थानीय ग्रामीणों और जानकारों का कहना है कि यहां कम लागत वाली पाइप पुलिया बनाकर भी आवागमन की आवश्यकता पूरी की जा सकती थी, लेकिन इसके बावजूद महंगे निर्माण कार्यों को मंजूरी दे दी गई। ग्रामीणों के अनुसार, पुलिया के आगे का क्षेत्र पहाड़ी और जंगल है, जहां न तो आबादी है और न ही नियमित यातायात। ऐसे में करोड़ों की योजनाओं की बजाय सीमित उपयोग वाले स्थान पर लाखों रुपए खर्च किया जाना अनुचित स्थल चयन की ओर इशारा करता है। आरोप यह भी हैं कि इन निर्माण कार्यों से चुनिंदा लोगों को ही लाभ मिलेगा, जबकि आम जनता को कोई प्रत्यक्ष फायदा नहीं है। यह मामला केवल दो पुलियों तक सीमित नहीं है। चर्चा है कि इसी विकासखंड में जुलाई-अगस्त जैसे भारी वर्षा वाले महीनों में पुलिया, चेक डैम और सीसी रोड जैसे कार्यों के लिए 13 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृतियां दी गई हैं। जानकार इसे खनिज न्यास मद की खुली बंदरबांट बता रहे हैं। नियमों के अनुसार, जिला खनिज न्यास और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक, जनोपयोगी और प्राथमिकता वाले कार्यों पर किया जाना चाहिए। तकनीकी स्वीकृति देते समय स्थल की उपयोगिता, लागत-लाभ विश्लेषण और वैकल्पिक समाधान का मूल्यांकन अनिवार्य है। इसके बावजूद इतने कम अंतराल पर दो पुलिया स्वीकृत होना वित्तीय अनुशासन पर सवाल खड़े करता है। मामले को लेकर अब स्वतंत्र तकनीकी और वित्तीय जांच की मांग तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई, तो जिला खनिज न्यास जैसी जनकल्याणकारी योजना भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का माध्यम बनकर रह जाएगी।

# नेवनारा चंडी मंदिर में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने किए दर्शन

### मातृशक्ति के उत्थान का लिया संकल्प

**बेमेतरा।** भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने बेरला प्रवास के दौरान ग्राम नेवनारा स्थित चंडी मंदिर पहुँचकर माँ चंडी के दर्शन-पूजन किए। उनके साथ प्रदेश महिला मोर्चा की पदाधिकारी संगीता शर्मा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी सहित भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। इस अवसर पर प्रदेश और राष्ट्र के उत्थान, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए प्रदेश अध्यक्ष अवस्थी ने आशीर्वाद मांगा, माँ चंडी के दरबार से महिला शक्ति को संगठित करने का स्पष्ट संदेश देते हुए विभा अवस्थी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जो नारी सम्मान, सुरक्षा और नेतृत्व को केवल नारों में नहीं, बल्कि ठोस नीतियों और निर्णयों के माध्यम से स्थापित कर रहा है। माँ चंडी शक्ति, स्वाभिमान और राष्ट्र रक्षा की प्रतीक हैं। आज उनके दर्शन कर यह संकल्प और मजबूत हुआ है कि भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा हर बूथ, हर गाँव और हर परिवार तक नारी शक्ति को नेतृत्व की भूमिका में स्थापित करेगा। भाजपा सरकारों ने महिलाओं को आरक्षण, सुरक्षा, सम्मान और अवसर दिए हैं यही सुशासन की असली पहचान है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी निर्वाणी ने बताया कि यह दर्शन केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और नारी शक्ति के पुनर्जागरण का प्रतीक है,भाजपा महिला मोर्चा महिलाओं को केवल मतदाता नहीं, बल्कि निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। यह संगठन मातृशक्ति की असली आवाज़ है। प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी का यह दौरा महिला मोर्चा के संगठन विस्तार की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बेरला में आयोजित महिला मोर्चा के कार्यक्रम में उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावी और संगठनात्मक दायित्वों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

# आशीर्वाद रहटगांवकर होंगे डोंगरगांव टीआई, वर्तमान टीआई कृष्णा पाटले का स्थानांतरण

**डोंगरगांव नगर।** टीआई डोंगरगांव निरीक्षक कृष्णा पाटले का स्थानांतरण कर दिया गया है। अब तेजतर्रार आशीर्वाद रहटगांवकर डोंगरगांव के नए टीआई होंगे। उल्लेखनीय है कि टीआई रहटगांवकर 5 वर्ष पुर्व डोंगरगांव आरक्षी केंद्र में बतौर टीआई सेवा दे चुके हैं। 5 वर्षों के अंतराल के बाद उन्हें पुनः डोंगरगांव में मौका मिला है। एक वायरल पत्र के आधार पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय राजनांदगाँव से 15 दिसंबर को जारी सूची मुताबिक टीआई कृष्णा पाटले डोंगरगांव से रक्षित केंद्र जिला मुख्यालय में स्थानान्तरित कर दिये गए हैं। वहीं रक्षित केंद्र राजनांदगाँव से आशीर्वाद रहटगांवकर को डोंगरगांव की कमान सौंपी गई है। इनके अलावा आरक्षक चालक शाहिद अंसारी व आरक्षक जितेश साहू भी रक्षित केंद्र स्थानांतरित कर दिए गए हैं।

# दो दिवसीय मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

**कवर्धा।** कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, रायपुर तथा कृषि विज्ञान केंद्र कवर्धा के संयुक्त तत्वावधान में रबी 2025-26 के लिए दो दिवसीय मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 12 एवं 13 दिसंबर को कृषि विज्ञान केंद्र कवर्धा, जिला कबीरधाम में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के लगभग 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें मुख्य रूप से प्रगतिशील किसान, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के सदस्य, किसान मित्र, कृषि सखी एवं महिला स्व-सहायता समूहों की किसान महिलाएं शामिल रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. रीता सिंगारे, वनस्पति संरक्षण अधिकारी (की.वि.) एवं डॉ. बी.पी. त्रिपाठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र कवर्धा द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. रीता सिंगारे द्वारा धान एवं सब्जी फसलों में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों के लक्षण, उनकी पहचान तथा एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीकों के माध्यम से प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को इन तकनीकों को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने गन्ना एवं चना फसल में लगने वाले कीट एवं रोगों की पहचान तथा उनके प्रभावी प्रबंधन की जानकारी प्रदान की। वहीं डॉ. आशीष जायसवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पौध संरक्षण) ने बीजोपचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मक्का फसल में लगने वाले विभिन्न कीट एवं रोगों के लक्षण एवं उनके प्रबंधन के उपाय बताए। कार्यक्रम में कन्हैया लाल, वैज्ञानिक सहायक द्वारा कीटनाशकों के सुरक्षित एवं उचित उपयोग के संबंध में किसानों को जागरूक किया गया। साथ ही एन.पी.एस.एस. मोबाइल एप को किसानों के मोबाइल में डाउनलोड कराते हुए उसके उपयोग एवं विशेषताओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

# विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

**बेमेतरा।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न ग्रामों एवं नगर क्षेत्रों से आई महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा रहे। उन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि महिला खेलकूद प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को भी सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आगे भी खेलों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान कबडडी, खो-खो, दौड़ सहित विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की गई। विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपध्यक्ष अशोक शर्मा युगल देवागन संदीप यादव जनपद अध्यक्ष हेमा दिवाकर नगर पचायत अध्यक्ष दाढ़ी विकास तम्बोली खेल विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

## सांसद युवा खेल प्रतियोगिता में मूलमुला कबड्डी में प्रथम

**बेमेतरा।** सांसद युवा खेल महोत्सव के द्वितीय चरण में नवागढ़ में आयोजित प्रतियोगिता में आयु वर्ग 15 वर्ष बालक, ग्राम पंचायत मूलमुला के कबडडी टीम ने गजब का खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और अगला चरण दुर्ग में आयोजित होने वाली सांसद युवा खेल महोत्सव में चयनित हुए। इस टीम को तैयार करने में संकुल समन्वयक हर्ष श्रीवास्तव, शिक्षक राकेश मतावारे, हरीश बंजारे और कबड्डी कोच मनोहर मंडावी तथा ग्राम पंचायत सरपंच कमलेश कुमार मिर्जा का विशेष सहयोग रहा।

# स्कूल नेशनल के लिए तानिया पोर्ते का चयन

**दल्लीराजहरा।** शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिखली के कक्षा सातवीं में पढ़ने वाली कु तानिया का चयन 69 वें राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 के आयु समूह 14 वर्ष फुटबाल के लिए हुआ। यह प्रतियोगिता 18 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक रांची (झारखंड) में आयोजित होगी। रानी दुर्गावती फुटबॉल क्लब चिखली के सचिव व कोच चन्द्रशेखर पवार ने बताया तानिया, क्लब की नियमित खिलाड़ी हैं और कक्षा चौथी से फुटबाल सीख रही है। तानिया का चयन बालोद में हुए राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के आधार पर किया गया। तानिया शालेय फुटबाल छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। तानिया, प्राची पोर्ते की छोटी बहन है और प्राची की तरह ये भी अपनी टीम में डिफेंस खेलती है।आयु समूह 17 वर्ष के लिए प्राची का भी चयन नेशनल के लिए हुआ है। दोनो बहनों का चयन नेशनल के लिए होना हमारे क्लब के लिए सौभाग्य की बात है। इनके पिता पेशे से सेल्समेन है और छोटी बेटी को भी बड़ी की तरह एक अच्छी खिलाड़ी बनाना चाहते हैं तानिया प्रतिदिन सुबह-शाम चिखली मैदान में अभ्यास कर अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रही हैं। शालेय राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन होने पर जिला शिक्षा अधिकारी बालोद मधुलिका तिवारी, सहायक जिला खेल अधिकारी शिक्षा विभाग किशोर मेहरा, सपन जेना खेल समन्वयक बालोद, प्राचार्य चिखली विनीता सैनी, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी डौण्डी प्रवीण कुमार चतुर्वेदी, संजय ठाकुर, सरपंच चिखली रम्हऊ राम, रामाधार साहू, तेजेश्वर भट्ट, चम्पा लाल सागर, दिनेश किशान, जगप्रीत संधू, समस्त स्टाफ चिखली, ग्रामीणजन एवं क्लब के सभी खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

# लिमोरा के किसान ने कृषि भूमि की एग्रीस्टेक कर धान बेचने और टोकन प्रदान करने की मांगी अनुमति

**बालोद।** ग्राम लिमोरा निवासी तोमन लाल साहू पिता कृष्णा राम ने कलेक्ट्रेट जनदर्शन में पहुच कृषि भूमि को एग्रीस्टेक कर धान बेचने और टोकन प्रदान करने की अनुमति कलेक्टर से मांगी हैं। उन्होंने कलेक्टर को आवेदन के माध्यम से अवगत कराते हुए बताया कि उनके पिता कृष्णा राम पिता नारायण (60) 2018 में ग्राम लिमोरा से तीर्थ यात्रा पर व्यास पंजाब ट्रेन से गए थे, परन्तु घर नही लौटे हैं। काफी खोजबीन के बाद भी उनका अतापता नही चला। घर नही आने पर बालोद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया गया, पर बालोद थाना क्षेत्रांतर्गत की घटना न मानकर पुलिस वालों ने रिपोर्ट नही लिखी। उन्होने बताया कि पिता को लापता हुए 7 वर्ष बीत गये हैं। गुमशुदा हुए पिता कृष्णाराम के नाम पर कृषि भूमि 1.45 हेक्टेयर हैं। जिसमें परिवार पिता की अनुपस्थिति में तहसीलदार के अनुमति से हर वर्ष धान बेच रहें थें। लेकिन इस वर्ष कृषि भूमि की एग्रीस्टेक नही हो पाया हैं। किसान तोमन लाल साहू ने कलेक्टर से कृषि भूमि को एग्रीस्टेक कर धान बेचने की अनुमति और टोकन प्रदान करने की मांग की हैं।

# महेश तिवारी का निधन

**दल्लीराजहरा।** स्थानीय इंटक यूनियन के संरक्षक व ब्राह्मण समाज दल्लीराजहरा अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी के भतीजे एवं बीएसपी से सेवानिवृत्त रविन्द्र तिवारी के 45 वर्षीय ज्येष्ठ पुत्र महेश तिवारी (मोन्टू) का सोमवार को रायपुर स्थित अस्पताल में निधन हो गया। वे कुछ दिनों से काफी अस्वस्थ चल रहे थे। मंगलवार को मुक्तिधाम में अंत्येष्टि की गई, वहां उपस्थितजनों ने दिंवगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि अर्पित की।

## संक्षिप्त समाचार

### भाजपा में नई पीढ़ी के सशक्त नेतृत्व का उदय हुआ : बृजमोहन

**रायपुर।** रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन से नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भेंट कर उन्हें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नितिन नबीन जी छत्तीसगढ़ के पहले सह-प्रभारी रहे और तत्पश्चात प्रभारी के रूप में उन्होंने संगठन को नई दिशा दी। उनके कुशल नेतृत्व, अथक परिश्रम और रणनीतिक मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में भाजपा ने ऐतिहासिक जनादेश के साथ भारी बहुमत से सरकार बनाई। श्री अग्रवाल ने कहा कि नितिन नबीन जी एक सच्चे जमीनी कार्यकर्ता हैं सरल, सीधे, मृदुभाषी और सबकी बात ध्यान से सुनने वाले नेता हैं। संगठन के हर स्तर के कार्यकर्ताओं से उनका आत्मीय संवाद उन्हें विशिष्ट बनाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नितिन नबीन जी को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना भाजपा में नई पीढ़ी के सशक्त नेतृत्व के उदय का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में पार्टी का संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा देशभर में भाजपा का जनाधार निरंतर बढ़ेगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नितिन नबीन जी का अनुभव, कार्यशैली और समर्पण भारतीय जनता पार्टी को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में निर्णायक सिद्ध होगा।

### छत्तीसगढ़ में अब कॉलेज-यूनिवर्सिटी में आवारा कुत्तों की निगरानी करेंगे प्रोफेसर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के बाद अब कॉलेज और यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर आवारा कुत्तों की निगरानी करेंगे। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने सभी शासकीय-अशासकीय संस्थानों को दिशा निर्देश जारी किया है। आदेश के मुताबिक अब कॉलेज और यूनिवर्सिटी कैंपस में आवारा कुत्तों के नियंत्रण, निगरानी और उनसे होने वाली संभावित घटनाओं की रोकथाम की जिम्मेदारी सीधे तौर पर संबंधित संस्थानों की होगी। इसके लिए प्रोफेसरों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा। नोडल अधिकारी नगर निगम-पालिका से समन्वय कर आवारा कुत्तों की निगरानी करेंगे। नोडल अधिकारी का नाम, मोबाइल नंबर और हेल्पलाइन की जानकारी डिस्प्ले बोर्ड पर लगाना जरूरी किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि संस्थान परिसर में लगाए गए डिस्प्ले बोर्ड की फोटो नोडल अधिकारी की ओर से उच्च शिक्षा संचालनालय को वॉट्सऐप के माध्यम से भेजी जाएगी। इसके लिए विभाग ने मोबाइल नंबर भी जारी किया है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी संस्थानों में आदेश का पालन वास्तव में किया जा रहा है या नहीं। उच्च शिक्षा आयुक्त कार्यालय, नवा रायपुर की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय में चल रहे दिए गए निर्देशों के पालन में की जा रही है। इसके आधार पर अब उच्च शिक्षा संस्थानों को 13 बिंदुओं में स्पष्ट आदेश जारी कर दिए गए हैं।

### चिरायु योजना से नित्या राजवाड़े को मिला नया जीवन

**रायपुर।** कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पतरापाली निवासी नित्या राजवाड़े (उम्र 4 वर्ष 7 माह), जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित थी। नित्या का नाम आंगनबाड़ी केंद्र पतरापानी-1 में दर्ज है। जन्म से ही नित्या को कमजोरी, जल्दी थकान, सांस लेने में तकलीफतथा बार-बार सर्दी-खांसी की समस्या रहती थी। चिरायु टीम द्वारा किए गए स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिकित्सक द्वारा जांच कर जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर रेफर किया गया। जिला चिकित्सालय में शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच उपरांत जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि हुई, जिसके बाद उच्च संस्थान एम.एम.आई. नारायणा हॉस्पिटल, रायपुर के लिए रेफर किया गया। चिरायु योजना के अंतर्गत नित्या को नारायणा हॉस्पिटल, रायपुर में भर्ती कराया गया। आवश्यक जांचों के पश्चात सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। उपचार के बाद नित्या को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। चिरायु योजना के अंतर्गत नित्या का संपूर्ण उपचार पूर्णतः निःशुल्क किया गया। वर्तमान में नित्या राजवाड़े पूरी तरह स्वस्थ है। नित्या के माता-पिता अत्यंत प्रसन्न हैं और उन्होंने चिरायु टीम, पटना सहित स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनकी बेटी को नया जीवन दिया है।

### शीत लहर से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश

**रायपुर।** जिले में बढ़ती ठंड और शीत लहर के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों को देखते हुए, जिला प्रशासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन की सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शीत लहर (कोल्ड वेव्स) के कारण हाइपोथर्मिया और फ्रॉस्टबाइट जैसी गंभीर समस्याएँ हो सकती हैं। इसलिए, सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन निर्देशों का गंभीरता से पालन कर स्वयं को और अपने परिवार को सुरक्षित रखें। शीत लहर एक ऐसी स्थिति है जिसमें हवा का तापमान सामान्य से काफी नीचे गिर जाता है।

---

काम पूरा हुए बिना किसी भी कार्य का 70 प्रतिशत से अधिक भुगतान नहीं

# फर्जी दस्तावेज लगाने वाली एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

- उप मुख्यमंत्री ने विधानसभा में जल जीवन मिशन और सड़कों की मरम्मत से जुड़े सवालों के दिए जवाब
- प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम द्रुत गति से जारी, अधिकारियों को सभी काम दिसम्बर तक पूर्ण करने के दिए गए हैं निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान जल जीवन मिशन और सड़कों की मरम्मत से जुड़े सवालों के जवाब दिए। उन्होंने विधायक श्री धरमलाल कौशिक द्वारा बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि 25 नवम्बर 2025 की स्थिति में बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 199 ग्रामों में कुल 211 कार्य जल जीवन मिशन के तहत लक्षित हैं। इनमें से 92 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 119 कार्य अभी अपूर्ण हैं। क्षेत्र में कोई भी कार्य अप्रारंभ नहीं है। उन्होंने बताया कि इन कार्यों के लिए अब तक कुल 113 करोड़ 15 लाख 34 हजार रुपए का भुगतान किया जा चुका है, जबकि तीन करोड़ 16 लाख 94 हजार रुपए का भुगतान शेष है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री साव ने श्री कौशिक द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्न का उत्तर देते

हुए कहा कि ठेकेदारों द्वारा जितना काम किया गया है और अधिकारियों द्वारा जितने काम का मूल्यांकन किया गया है, उतनी ही राशि का भुगतान किया जाता है। किसी भी अपूर्ण काम के लिए संपूर्ण भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने सदन में बताया कि विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि जब तक काम पूर्ण न हो, किसी को भी 70 प्रतिशत से अधिक भुगतान नहीं करना है। श्री साव ने श्री कौशिक के एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि राज्य में 70 समूह जल प्रदाय योजनाएं स्वीकृत हैं। इनमें से 12 समूह जल प्रदाय योजनाओं के काम ज्वाइंट वेंचर बनाकर आबंटित किए गए हैं। फर्म मेसर्स विजय वी. सालुंखे के अनुभव प्रमाण पत्र के फर्जी होने की शिकायत प्राप्त होते ही विभाग द्वारा प्रमाण पत्र जारी करने वाले महाराष्ट्र के कराड नगर पालिका से सत्यापन कराया गया। सत्यापन में पाया गया है अनुभव प्रमाण पत्र वहां से जारी नहीं हुआ है जिसके बाद आगे की कार्यवाहियां प्रारंभ की गईं। श्री साव ने बताया कि इस मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली अपेक्स कमेटी की अनुशंसा पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामला अभी विवेचनाधीन है। जांच के बाद जिनकी-जिनकी संलिप्तता पाई जाएगी पुलिस सब कर कार्यवाही कर सकती है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल द्वारा डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि क्षेत्र में 48 सड़कें मरम्मत के योग्य हैं। इसके लिए सात करोड़ 75 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि चार सड़कों की मरम्मत का काम पूर्ण हो गया है तथा 39 सड़कों की मरम्मत का काम प्रगतिरत है। निविदा प्रक्रियाधीन होने के कारण पांच सड़कों के काम अप्रारंभ हैं। विभागीय अधिकारियों को दिसम्बर तक मरम्मत के सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम द्रुत गति से जारी है। श्री साव ने श्रीमती बघेल द्वारा भू-अर्जन के लंबित मुआवजे के संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्न के उत्तर में श्री साव ने कहा कि मुआवजा का प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी के यहां प्रक्रियाधीन है।

## 8 प्रतिशत कम बजट में होगा महादेव घाट कॉरिडोर का काम

- मंजूरी के लिए नगर निगम ने सरकार को भेजा प्रस्ताव

रायपुर। संवाददाता

नगर निगम के चार महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में से एक महादेव घाट कॉरिडोर तय बजट से लगभग 8 प्रतिशत कम 17 करोड़ 60 लाख में तैयार होगा। इसके लिए 18 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट तैयार किया गया था, पहले ही टेंडर में कम दर आने के कारण निगम ने टेंडर स्वीकृत करने के बाद रेट अप्रूव्हल के लिए शासन को भेज दिया है। इसके अलावा तेलीबांधा टॉवर, बूढ़ापारा सीएसईबी ऑफिस से टिकरापारा होते हुए पचपेढ़ी नाका तक गौरवपथ एवं शहर के 18 चौक-चौराहों को यातायात के लिए तैयार करने संबंधी टेंडर स्वीकृति के बाद निगम ने शासन को रेट अप्रूव्हल के लिए भेज दिया है। इस सप्ताह अप्रूव्हल आते ही भूमिपूजन के बाद नये साल से इन सभी प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिए जाएंगे। इन सभी प्रोजेक्ट पर लगभग 108 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी टेंडर्स में केवल 18 जंक्शन के लिए दूसरी बार टेंडर की नौबत आई। शेष सभी में पहली बार ही अच्छी दर आ गई। इनमें से रायपुर कंस्ट्रक्शन को गौरवपथ और 18 चौक-चौराहों का ठेका मिला। इससे पूर्व इस एजेंसी ने यूथ हब चौपाटी का भी काम किया था। शेष अन्य प्रोजेक्ट का काम भी तगड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद रायपुर की ही एजेंसियों ने ही हथिया लिया है। नवंबर के पहले सप्ताह में इन सभी प्रोजेक्ट की स्वीकृति के बाद निगम ने टेंडर लगाया था। 21 दिन की तय समय-सीमा के बाद जब टेंडर खुला तो इसमें दूसरे राज्यों की एजेंसियों ने स्थानीय ठेकेदारों के साथ टेंडर में हिस्सा लिया था। इनमें तेलीबांधा ट्रेड टॉवर जिसकी निर्माण लागत 38 करोड़ रखी गई थी, न्यूनतम दर 37 करोड़ आने पर निविदा समिति ने इसे तय कर दिया। इसी प्रकार महादेव घाट कॉरिडोर निर्माण के लिए भी तय की गई 18 करोड़ की राशि में से 8 प्रतिशत कम दर पर यानी 1 करोड़ 44 लाख।

### अस्पतालों के बाजारीकरण पर हिन्दी फिल्म का प्रदर्शन जनवरी में होने की संभावना

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख शहरों के अस्पतालों में मरीजों के साथ जब खुले आम वसूली हो रही है और उसे रोकने वाला कोई नहीं है। अस्पतालों के बाजारीकरण पर निर्देशक गुलाम हैदर मंसूरी द्वारा 2 घंटे 36 मिनट की फीचर फिल्म बनाई गई है जो मानवता के आधार पर सेवा को मुखर करती है। फिल्म में छत्तीसगढ़ के कलाकार एवं गीत संगीत लिखने वाले गायक संगीतकार एवं निर्देशक होने के बावजूद भी यह दुर्भाग्य के साथ लिखना पड़ रहा है कि इस फिल्म को राजधानी रायपुर के किसी भी थियेटर ने लगाने से इंकार कर दिया है। उक्त जानकारी प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में फिल्म के कलाकार ओम त्रिपाठी, मंसूरी हैदर, नेहा शुक्ला ने संयुक्त रूप से दी।

महतारी वंदन योजना

## श्रीमती निशा साहू को अब हर महीने मिल रहा आर्थिक सहारा

- प्रतिमाह एक हज़ार मिलने से दैनिक जीवन में बढ़ाई सहजता और आत्मविश्वास

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना अब ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी में वास्तविक बदलाव ला रही है। सरकार की प्रतिबद्धता और लगातार प्रयासों का परिणाम है कि आज प्रदेशभर में लाखों महिलाएँ हर महीने सीधे

अपने बैंक खाते में 1 हजार रुपए प्राप्त कर रही हैं। यह योजना महिलाओं को मजबूत बनाने की दिशा में सरकार की एक बड़ी और प्रभावी पहल साबित हुई है। कबीरधाम जिले के ग्राम मझगांव की श्रीमती निशा साहू इस योजना की लाभार्थी हैं। वे बताती हैं कि उनके खाते में हर महीने नियमित रूप से 1 हजार रुपए की राशि जमा होती है। अब तक उन्हें 21 किस्तों में कुल 21 हजार रुपए का लाभ मिल चुका है। निशा साहू बताती है कि पहले तो एक रुपया भी अपने पास नहीं होता था। हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए घर के मुखिया पर ही निर्भर रहना पड़ता था। तब समझ आता था कि एक रुपये का भी कितना महत्व होता है। लेकिन अब हर महीने सरकार बिना किसी परेशानी के पैसा खाते में भेज रही है। इससे मैं रोजमर्रा की कई ज़रूरतें खुद पूरी कर पा रही हूँ। वे बताती हैं कि बढ़ती महंगाई के बीच 1 हजार रुपए की राशि भी कई जरूरी चीजें खरीदने में मददगार होती है।

## ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत अंतर्राज्यीय ठग गिरफ्तार हुए......

रायपुर। संवाददाता

रायपुर पुलिस ने ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत 6 अंतर्राज्यीय ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को शेयर ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी करते थे। बता दें कि आईजी अमरेश मिश्रा द्वारा रेंज साइबर थाना रायपुर को साइबर अपराधों मे शामिल मुख्य आरोपियों के विरुद्ध तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिया गया है। पहला मामला - प्रार्थी विरल कुमार पटेल ने उनके साथ शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा के नाम से 40 लाख ठगी होने पर थाना खमारडीह में सूचना दिया था। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 92/25 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना क्रम में पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार ऑपरेशन साइबर शील्ड अंतर्गत कार्यवाही करते हुए तकनीक विश्लेषण कर मुख्य आरोपी की पहचान की गई। आरोपी विपुल पाटने निवासी बांद्रा मुंबई घटना कारीत करने के बाद अपना स्थान बदल कर नागपुर महाराष्ट्र में निवास कर रहा था। आरोपी यूनिक इंटरप्राइजेज नामक फर्जी कंपनी के माध्यम से बैंक अकाउंट खोलकर धोखाधड़ी के रकम प्राप्त करता था। रेड कार्यवाही में आरोपी से प्रकरण से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। आरोपी को पूर्व में बांद्रा मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। आरोपी द्वारा प्रयुक्त बैंक खाता में देश के विभिन्न 69 थाना/साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज है। दूसरा मामला - प्रार्थी अंचित कुमार सिन्हा ने उनके साथ शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा के नाम से 30 लाख ठगी होने पर थाना पंडरी में सूचना दिया था। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 273/25 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना क्रम में तकनीक विश्लेषण कर मुख्य आरोपी की पहचान की गई। आरोपी शोएब अख्तर निवासी छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एस एस फ्रूट नामक फर्जी कंपनी के माध्यम से बैंक अकाउंट खोलकर धोखाधड़ी के रकम प्राप्त करता था। रेड कार्यवाही में आरोपी से प्रकरण से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। आरोपी द्वारा प्रयुक्त बैंक खाता में देश के विभिन्न 16 थाना/साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज है।

### अवैध कोल लेवी वसूली मामले में आरोपी जयचंद कोशले के विरुद्ध लगभग एक हजार पन्नों का अभियोग पत्र दाखिल

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित अवैध कोल लेवी वसूली प्रकरण में आर्थिक सीबीआई ने आरोपी जयचंद कोशले के विरुद्ध लगभग एक हजार पन्नों का अभियोग पत्र दाखिल किया है। यह अभियोग पत्र अपराध क्रमांक 03/2024 के तहत आज दिनांक 15 दिसंबर 2025 को विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रायपुर में प्रस्तुत किया गया। वर्तमान में आरोपी जयचंद कोशले केंद्रीय जेल रायपुर में निरुद्ध है। ईओडब्ल्यू द्वारा दाखिल अभियोग पत्र में जयचंद कोशले के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 420, 384, 467, 468, 471 तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम 2018) की धारा 7, 7ए एवं 12 के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, अभियुक्त जयचंद कोशले उर्फ जय, तत्कालीन मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ रहते हुए सौम्या चैरसिया का निज सहायक था और उसके अधीनस्थ के रूप में कार्य कर रहा था। वह अवैध कोल लेवी वसूली से प्राप्त भारी नगद राशि का वास्तविक रिसीवर और मध्यस्थ था। जप्त की गई डायरी में जय नाम से अंकित सभी प्रविष्टियां जयचंद कोशले और सौम्या चैरसिया से संबंधित पाई गई हैं।

## रायपुर-बिलासपुर हाइवे ब्लैकस्पॉट्स में अंडरपास और सर्विस लेन निर्माण

- हाइवे को मवेशीरहित बनाने की कोशिश रिकॉर्ड वृक्षारोपण से मनमोहक हुआ सफर
- सुरक्षित और निर्बाध सफर के लिए एनएचएआई द्वारा किए जा रहे कई काम

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर को न्यायधानी बिलासपुर से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त राजमार्गों में से एक है। यह राजमार्ग राज्य की वाणिज्यिक, औद्योगिक एवं सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों की प्रमुख धुरी है। यात्रियों की सुविधा, सुगमता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इसके रखरखाव के लिए नियमित और योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। एनएचएआई द्वारा बीते वर्षों में रायपुर-बिलासपुर हाइवे पर लगातार रखरखाव एवं सुधार के कार्य किए गए हैं। भारी यातायात के बावजूद सड़क की गुणवत्ता बनाए रखने नियमित रूप से पैचवर्क, ड्रेनेज की सफाई तथा रोड मार्किंग का कार्य कराया जा रहा है। इन कार्यों से सड़क की सतह बेहतर बनी रहती है और यात्री सुरक्षित व सुगम यात्रा का अनुभव करते हैं। एनएचएआई द्वारा समय-समय पर स्वयं की कंसल्टेंट जांच टीम के माध्यम से सड़कों का तकनीकी सर्वे भी कराया जाता है। जांच टीम के सुझावों के आधार पर आवश्यक रखरखाव के कार्य किए जाते हैं। वर्ष 2024-25 में कंसल्टेंट टीम द्वारा 2136 जगहों पर पैनल रिप्लेसमेंट का सुझाव दिया गया था, जिसे समय पर पूरा कर लिया गया। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी 3616 जगहों पर लगभग 1520 पैनल का रिप्लेसमेंट किया गया है। अन्य पैनल के रिप्लेसमेंट का कार्य भी प्रगति पर है। सड़क के बेहतर रखरखाव के लिए 'रिस्क एंड कॉस्ट' शर्तों पर नया टेंडर भी जारी किया गया है। रायपुर-बिलासपुर हाइवे पर यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं। मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने 20 स्थानों को चिन्हित कर सुधार के कार्य किए जा रहे हैं। सड़क पर मवेशियों के प्रवेश को रोकने चिन्हांकित स्थानों पर क्रैश बैरियर लगाए गए हैं। इनके साथ ही हाइवे पर सोलर लाइटिंग, सोलर ब्लिंकर, ट्रांसफर बार मार्किंग और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाए जा रहे हैं। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को सुरक्षित बनाने की दिशा में एनएचएआई निरंतर कार्यरत है।

राज्य सरकार की धान खरीदी नीति से छत्तीसगढ़ के किसानों को सम्मान मिला

# समय पर भुगतान और पारदर्शी व्यवस्था से सशक्त हुआ किसान मंगल सिंह.........

रायपुर/ संवाददाता

राज्य सरकार की धान खरीदी नीति से छत्तीसगढ़ के किसानों को सम्मान मिला हैं, इस वर्ष केवल धान खरीदी का एक सत्र नहीं, बल्कि सरकार और किसान के बीच मजबूत होते भरोसे का प्रतीक बनकर उभरा है। मनेंद्र गढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के ग्राम सिरियागोड़ निवासी किसान मंगल सिंह की कहानी इसी सकारात्मक बदलाव की सजीव मिसाल है। मंगल सिंह एक साधारण किसान हैं, जिनकी आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर है। हर वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने कठिन परिश्रम और लगन से अपने खेतों में धान की फसल तैयार की। मौसम की अनिश्चितता

और बढ़ती लागत के कारण मन में आशंकाएँ थीं, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की किसान-हितैषी नीतियों ने उन्हें आश्वस्त किया। प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी और 3100 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की घोषणा ने उनकी मेहनत को सम्मान देने का भरोसा दिलाया। डिजिटल टोकन मिलने के बाद मंगल सिंह चैनपुर उपार्जन केंद्र पहुँचे। यहाँ उन्हें सुव्यवस्थित, अनुशासित और किसान-अनुकूल व्यवस्था का अनुभव हुआ। बैठने की सुविधा, पेयजल व्यवस्था, सहयोगी कर्मचारी और डिजिटल तौल कांटे से सटीक माप-तौल ने पूरी प्रक्रिया को सरल बनाया। फोटो अपलोड के माध्यम से सत्यापन होने से पारदर्शिता और विश्वास और मजबूत हुआ। मंगल सिंह ने कुल 80 क्विंटल धान का विक्रय किया। न लंबी कतारें, न अनावश्यक प्रतीक्षा और न ही किसी प्रकार की परेशानी। सबसे संतोषजनक बात यह रही कि धान विक्रय की पूरी राशि सीधे उनके बैंक खाते में समय पर जमा हुई। इससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा का अहसास हुआ और वे बच्चों की पढ़ाई, घरेलू जरूरतों तथा रबी फसल की तैयारी निश्चिंत होकर कर पा रहे हैं। मंगल सिंह कहते हैं कि पहले तौल और भुगतान को लेकर शंकाएँ रहती थीं, लेकिन इस वर्ष की व्यवस्था ने उनका नजरिया पूरी तरह बदल दिया।

## संपादकीय

# एसआईआर अभियान की चुनौतियां, बीएलओ पर बढ़ते दबाव से हालात क्यों बने खतरनाक?

देश के कई राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम जारी है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे अंजाम देने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों यानी बीएलओ के सामने अब भी कई तरह की चुनौतियां और मुश्किलें पेश आ रही हैं। कुछ राज्यों से ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि काम से उपजे तनाव और दबाव की वजह से परेशान होकर कई बीएलओ ने आत्महत्या कर ली या फिर नौकरी से इस्तीफा दे दिया।इस मसले को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन आयोग को काम के तनाव को कम करने के लिए कुछ निर्देश दिए थे। फिर भी हालत यह है कि देश के कई इलाकों में बीएलओ को लगातार दबाव के बीच काम करना पड़ रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए लोगों के घरों में आखिर उन्हें ही जाना पड़ता है, जहां कभी उन्हें अलग-अलग कारणों से धमकी देने की खबरें आई हैं। वहीं सीमित अवधि में काम निपटाने का तनाव भी उन्हें मुश्किल में डाल रहा है। इसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बीएलओ और अन्य अधिकारियों को 'धमकी' दिए जाने के मामले को गंभीरता से लिया और आयोग से कहा कि वह ऐसी घटनाओं को अदालत के संज्ञान में लाए, अन्यथा अराजकता फैल जाएगी।निर्वाचन आयोग के तहत चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम का प्रारूप पहले ही ऐसा तय किया जाना चाहिए था, जिससे काम करने वाले व्यक्ति से लेकर आम जनता तक को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। मगर इसके लिए शीर्ष अदालत को आयोग को काम करने के तरीके के बारे में बताना पड़ता है। इस बीच आयोग ने पुनरीक्षण अभियान के लिए एक सप्ताह का समय बढ़ाया, लेकिन इतने व्यापक काम को बहुत कम समय में पूरा करने का दबाव बनाया जाएगा, तो उसमें चूक की आशंका बनी रहेगी।सवाल है कि आखिर निर्वाचन आयोग ने कामकाज का यह कैसा प्रारूप तैयार किया है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का सारा बोझ प्रकारांतर से बीएलओ को ही उठाना पड़ रहा है। ज्यादा काम की वजह से अगर कोई चूक होती है तो एक ओर उन्हें आयोग की ओर से कार्रवाई का डर रहता है, तो दूसरी ओर आम नागरिक भी उनसे ही सवाल करते हैं। वैसे सरकार ने 5 राज्यों में एसआईआर की तारीख आगे बढ़ा दी।

# लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

**मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।**

(रमेश सर्राफ धमोरा)

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्टीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद

14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्टीय और अन्तरर्राष्टीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

# सरकारी तंत्र की लापरवाही का नतीजा

(हिमांशु कुमार)

गोवा के अरपोरा स्थित 'बर्च बाइ रोमियो लेन' नाइट क्लब में शनिवार देर रात आग लग गई थी। आग की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कई विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। मृतकों में पर्यटक और क्लब कर्मचारी शामिल हैं। कुछ पर्यटक बाहर निकल गए, लेकिन कई लोग नीचे बने किचन की ओर भागे और वहीं फंस गए। बाद में कई की मौत दम घुटने से हुई। इस दर्दनाक अग्निकांड के बाद राज्य सरकार एक्शन मेंआई है। गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है और मालिक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। यहां सवाल उठता है कि राज्य सरकार ने पहले सतर्कता क्यों नहीं बरती थी? क्या इस हादसे की पूरी जिम्मेदारी लापरवाह प्रशासन और उसके कर्मचारियों की नहीं मानी जानी चाहिए?

प्राथमिक जांच में पता चला है कि आग ऊपरी मंजिल से शुरू हुई और संकरे दरवाजों की वजह से कई लोग बाहर नहीं निकल पाए। जो लोग नीचे की ओर गए, उन्हें हवा नहीं मिली और उनकी मौत हो गई। आग बुझाने में भी बड़ी मुश्किलें सामने आई। सबसे बड़ी कठिनाई तो यह रही कि क्लब तक पहुंचने वाली गली बेहद संकरी थी और प्रवेश- निकास के लिए एक ही रास्ता था। इससे लोग एक साथ बाहर नहीं निकल पाए और अंदर धुआं भरते ही कई लोगों का दम घुट गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी क्लब तक पहुंच ही नहीं पाई और उन्हें करीब 400 मीटर दूर रोकना पड़ा। इससे बचाव कार्य धीमा हुआ और नुकसान बढ़ गया। क्या यह क्लब को लाइसेंस और एनओसी देने वाली सरकार की एजेंसियों का अपराध नहीं है? क्यों इन संस्थाओं ने ऐसे नाइट क्लब के लिए अनुमति प्रदान की ?

खबर है कि अब क्लब के निर्माण पर सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या यह आपत्ति पहले नहीं की जा सकती थी और उसके निर्माण या उसे अनुमति देने को रोका नहीं जाना चाहिए था? अरपोरा-नगोआ पंचायत के सरपंच के अनुसार, नाइट क्लब के पार्टनर्स में पहले से विवाद चल रहा था और उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतें की थीं। पंचायत ने क्लब का निरीक्षण किया था और पाया था कि उसे निर्माण की अनुमति नहीं मिली थी। इस पर पंचायत ने ढहाने का नोटिस भी जारी किया था, लेकिन उच्च अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी। इन तमाम लापरवाहियों के मद्देनजर यह स्पष्ट है कि गोवा का यह हादसा सरकारी तंत्र की लापरवाही और अक्षमता की वजह से हुई है। अगर सरकारी तंत्र और संबंधित प्राधिकरण अपना काम ठीक से करते रहते, तो यह नौबत ही नहीं आती।

# नवाबों का शहर' ही नहीं, ये भी है लखनऊ की पहचान, यूपी की राजधानी का रोचक इतिहास

शुभ

'नवाबों का शहर' के नाम से मशहूर लखनऊ की विरासत कहीं अधिक गहरी है। उत्तर प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ यह संस्कृति, इतिहास और आर्किटेक्चर की शान है। यह शहर अपने खास तौर-तरीकों, खाने, संगीत और प्रसिद्ध इमारतों के लिए जाना जाता है। भारत की आजादी की लड़ाई में इसका ऐतिहासिक महत्व भी है। इसलिए इस जीके के आर्टिकल में यूपी की राजधानी का रोचक इतिहास और इसके बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

## 'शिराज-ए-हिंद' नाम से भी पहचान

लखनऊ एनआईसी.इन के अनुसार, लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है। यह हमेशा से एक बहुसांस्कृतिक शहर रहा है। यहां शिष्टाचार, सुंदर बाग-बगीचे, कविता, संगीत और स्वादिष्ट खाना बहुत समय के साथ विकसित हुआ। इसे 'नवाबों का शहर' कहा जाता है। इसके अलावा इसे 'पूर्व का गोल्डन सिटी' और 'शिराज-ए-हिंद' भी कहा जाता है।

लखनऊ का इतिहास क्या है?

लखनऊ का नाम प्राचीन समय में 'लखनपुरी' था। यह भगवान राम के भाई लक्ष्मण के सम्मान में रखा गया था। शहर का इतिहास सूर्यवंशी राजवंश और कोसल के प्राचीन महाजनपद से जुड़ा है। हालांकि, अभिलेखों के अभाव के कारण जिले के वर्तमान स्वरूप में इसके गठन की सही तिथि की जानकारी नहीं है। 1350 ई. के बाद लखनऊ पर कई शासकों का शासन रहा, जिसमें दिल्ली सल्तनत, मुगल साम्राज्य, अवध के नवाब और ब्रिटिश राज शामिल है। अवध के नवाबों ने लखनऊ को कला, संस्कृति और वास्तुकला का केंद्र बनाया। नवाब आसफ-उद-दौला और नवाब सादत अली खान ने बड़े इमामबाड़ा, बिबियापुर कोठी और कई भव्य महल बनवाए। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में शहर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## लखनऊ की पहचान

आज का लखनऊ आधुनिक प्रशासन, शिक्षा, व्यापार और संस्कृति का केंद्र है। इसके

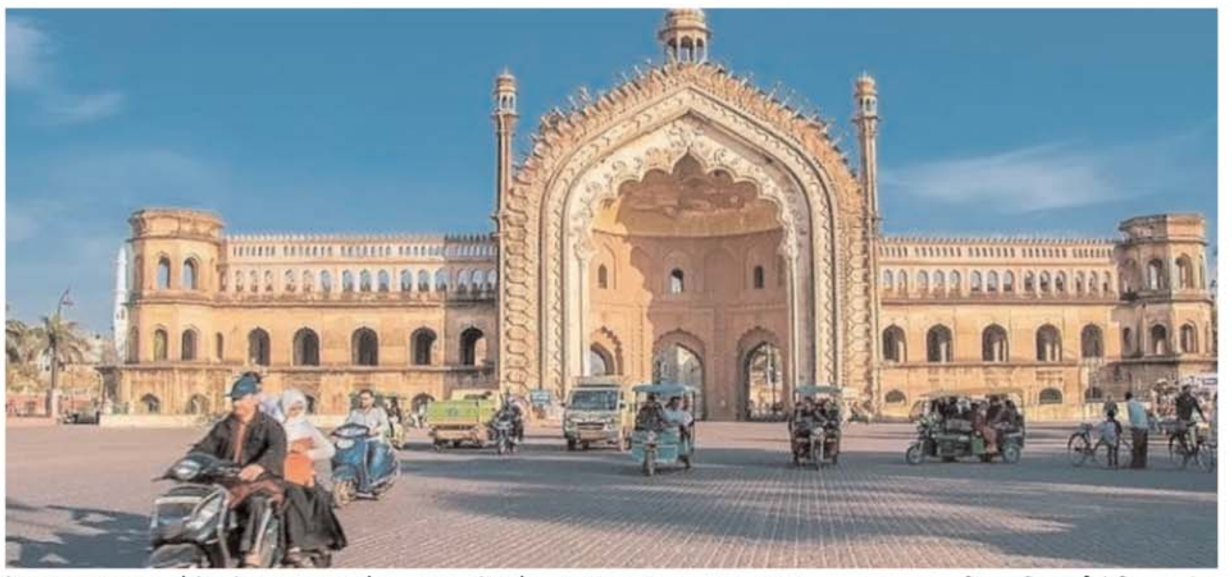

ऐतिहासिक स्मारक, जैसे बड़े इमामबाड़ा, और पारंपरिक अवधी व्यंजन, शहर की सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। लखनऊ प्राचीन परंपराओं और आधुनिक विकास का संगम और उत्तर भारत का एक अनूठा शहर है।

लखनऊ से जुड़े तथ्य

**लखनऊ की उत्पत्ति सूर्यवंशी राजवंश (इक्ष्वाकु वंश) से जुड़ी है।** अवध की राजधानी शुरू में फैजाबाद थी, लेकिन नवाब आसफ-उद-दौला ने 1775 में लखनऊ को राजधानी बनाया।

लखनऊ भव्य वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें महल, इमामबाड़ा, कर्बला और स्मारक शामिल हैं।

## ब्रिटिश काल में कुछ स्मारक और अभिलेख 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में नष्ट हो गए

आधुनिक लखनऊ में विधि, प्रशासन, शिक्षा और वाणिज्य का केंद्र है। साथ ही मेट्रो, शॉपिंग मॉल और आधुनिक आवासीय परिसरों के कारण शहर आधुनिक रूप में विकसित हुआ।

लखनऊ की पारंपरिक अवधी संस्कृति और आतिथ्य कला आज भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

शहर का अतीत और आधुनिकता का संयोग लखनऊ को नगरीय पुनर्जागरण का जीवंत उदाहरण बनाता है।

# मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिले में सघन जांच अभियान जारी

**कोंडागांव।** मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिले को मलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हांकित क्षेत्रों में प्रभावी रूप से मलेरिया जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी सतत निगरानी जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही है। यह अभियान 8 दिसंबर से प्रारंभ होकर आगामी 15 दिनों में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में जिले के दूरस्थ एवं सीमावर्ती क्षेत्र धनोरा के अंतर्गत कानागांव में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा संचालित मलेरिया जांच अभियान का निरीक्षण करने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चतुर्वेदी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ को मलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा यह विशेष अभियान वर्ष में दो बार संचालित किया जाता है। अभियान के तहत स्वास्थ्य अमला घर-घर जाकर परिवार के सभी सदस्यों की मलेरिया जांच आरडी किट के माध्यम से कर रहा है। यह सघन सर्वे अभियान सुनिश्चित करता है कि कोई भी व्यक्ति मलेरिया जांच से वंचित न रहे। अभियान के दौरान ऐसे व्यक्तियों की भी पहचान की जा रही है, जिनमें मलेरिया के कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, लेकिन जांच में वे मलेरिया पॉजिटिव पाए जाते हैं। इससे मलेरिया संक्रमण के प्रसार (ट्रांसमिशन) को समय रहते रोका जा रहा है। साथ ही सभी चिन्हित मरीजों को तत्काल पूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे शीघ्र स्वस्थ हो सकें। अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सर्वे के दौरान मितानिनों द्वारा मच्छरदानी लगाकर सोने की सलाह दी जा रही है तथा इसकी नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि लोग मच्छरों के काटने से सुरक्षित रह सकें। गांव में मुनादी अथवा शाम के समय सिटी बजाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही मच्छरों के प्रजनन स्थलों जैसे गड्ढों में जमा पानी एवं नालियों की साफ-सफाई तथा जल निकासी को सामूहिक प्रयासों से व्यवस्थित किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत पोटा केबिन, छात्रावास, आश्रम एवं सीआरपीएफ कैंपों में भी मलेरिया जांच की जा रही है। यह अभियान मलेरिया के कारण होने वाली एनीमिया (खून की कमी) एवं कुपोषण को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को मलेरिया के लक्षणों एवं उपचार की जानकारी भी दी जा रही है। बताया जा रहा है कि मलेरिया मच्छर के काटने से फैलता है, जिसकी शुरुआत में बुखार, सिरदर्द एवं बदन दर्द जैसे सामान्य लक्षण दिखाई देते हैं। उपचार की सुविधा गांव स्तर पर ही मितानिन दीदियों अथवा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध है।

### स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चतुर्वेदी ने काना गांव, बिन्झे, अरंडी एवं धनौरा स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, सुरक्षित प्रसव, टीबी एवं कुष्ठ रोग नियंत्रण, आयुष्मान कार्ड तथा वय वंदन योजना सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों में प्रगति लाने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए।

# सीसी सड़क निर्माण के लिए नगरपालिका किरंदुल अध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

**किरन्दुल।** किरन्दुल स्थित वार्ड क्रमांक 06 राजेंद्र प्रसाद वार्ड में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सीसी रोड निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। यह कार्य क्षेत्र के नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ किया जा रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर पालिका की अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह और वार्ड पार्षद गोपीनाथ हरिजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बबलू सिद्दकी, पार्षगण एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह तथा स्थानीय गणमान्य नागरिकों की भी उपस्थिति रही। बता दें कि रोड अत्यधिक क्षतिग्रस्त था जिसके तहत नवीन रोड का निर्माण कराया जा रहा हैं जो वार्ड पार्षद के घर के पास स्थित पुलिया से लेकर मोहल्ला के अंतिम छोर तक बनाया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, और यह कार्य उसी श्रृंखला का हिस्सा है। वार्ड पार्षद गोपीनाथ हरिजन ने भी भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में अध्यक्ष के अनुशंसा से वार्ड में और भी विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि जनहित ही हमारी प्राथमिकता है। स्थानीय नागरिकों ने विकास कार्यों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए पालिका अध्यक्ष एवं पार्षद के प्रति आभार व्यक्त किया।

# कड़ाके की ठंड में आश्रम के बच्चे ठिठुरने को मजबूर गर्म कपड़ों और मच्छरदानी की कमी से जूझ रहे मासूम

**बीजापुर।** कड़ाके की ठण्ड का कहर जारी है तापमान लगातार गिर रहा है, लेकिन कई आश्रमों में रहने वाले बच्चों की हालत बेहद दयनीय हो गई है। संसाधनों की कमी के कारण ये मासूम बच्चे बिना गर्म कपड़ों और मच्छरदानी के रात गुजारने को मजबूर हैं। संयुक्तरूप संचालित सारकेगुड़ा, कोरसागुडा एवं पुसबाका आश्रम में रहने वाले बच्चों ने बताया कि ठंड इतनी ज्यादा है कि रात में नींद नहीं आती। पतले चादर और पुराने कपड़ों में ठिठुरते हुए सोने की कोशिश करते हैं, आश्रम भवन के खिडकिया पल्ले नही है रात में ठंडी हवा कमरे में आती हैं, जिससे बच्चे ठण्ड में ठिठुरते हुए सोने को मजबूर है। वही संयुक्त आश्रम में बच्चों के बिस्तर में गददों की जगह थर्माकोल के टुकड़े है जिन पर रात बितानी पड़ रही है। शासन प्रसाशन बच्चों को सर्वसुविधायुक्त शिक्षा देने के लिए करोड़ो रुपया खर्च कर रही है पर बच्चो को बुनियादी सुविधा नही मिल रही है। इसके अलावा, मच्छरदानी की कमी से बच्चों को मच्छरों के काटने का भी खतरा बना हुआ है। सयुक्त आश्रम में अधिकतर बच्चो के पास मच्छरदानी भी नही हैं, बच्चो से पूछने पर बताते है कि सर अभी तक मच्छरदानि दिए नही है। जबकी संबंधित विभाग से सभी आश्रमो में मच्छरदानी उपलब्ध करा दी गई है, इसके बावजूद बच्चों को सुविधाओ से वंचित रखना कही न कहीं अधीक्षको की घोर लापरवाही को दर्शाता हैं।

*आश्रमो के अव्यवस्थाओ के जिम्मेदारी कही न कही जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता भी हो सकती है। इस संबंध में पायनियर की टीम सहायक आयुक्त आदिवासी विकास के बात करने पर उन्होंने कहा कि जिले के सभी आश्रमो में मच्छरदानी उपलब्ध करा दी गई हैं अगर किसी आश्रम के बच्चो को मच्छरदानी नही मिला है तो ये अधीक्षक की लापरवाही है जांच कर कारवाही किया जाएगा।*

# रानी बहाल में लैंगिक उत्पीड़न निवारण जागरुकता बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की दिलाई शपथ

**बालिकाएं मोम की तरह मुलायम नहीं चट्टान की तरह कठोर बनें : दीपिका**

**सुकमा।** जिले के विकासखंड छिंदगढ़ में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने बाल संरक्षण विभाग, सखी सहेली वन स्टाप सेंटर सुकमा एवं जिला पुलिस के द्वारा संयुक्त रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय छिंदगढ़ (रानी बहाल) में लैंगिक उत्पीड़न निवारण जागरुकता कार्यक्रम किया, जिसमें बच्चों को साइबर क्राइम, लैंगिक उत्पीड़न, यौन अपराध एवं बाल अपराध के विषय जानकारी देकर जागरूकता दी गई। सर्वपथम प्रमिला सिंह महिला संरक्षण अधिकारी सखी वनस्टाप सेंटर सुकमा ने घरेलू हिंसा एवं लैंगिक उत्पीड़न के विषय में बताया, डालिमा गौर केंद्र प्रशासक ने सखी सहेली सेंटर के सम्बंध में बताया और कहा कि सखी सहेली सेंटर 24 घण्टे सेवा देता है, आप कभी भी यहाँ आ सकते हैं, शांती सेठिया, मिशन समन्वयक ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में बताया और कहा कि इन समस्त योजनाओं का लाभ लेने आप सभी अपने परिजनों को बताएं। पुलिस निरीक्षक आदिवासी थाना की जिला प्रभारी पदमा जगत ने साइबर क्राइम के विषय में बताकर बच्चों को विस्तृत रूप से बताकर सोशल मीडिया में कैसे अपने आपको प्रस्तुत करें इस पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि सोशल मीडिया को यूज करो इंटरनेट का जमाना है, जिसके कारण आवश्यक भी है परन्तु सुरक्षित होकर इसका उपयोग करें अपने निजी फोटो या वीडियो अपलोड न करें, इसके पश्चात छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी आने कल का भविष्य हैं आप सभी कल कलेक्टर, एसपी, डॉक्टर, इंजीनियर बनना है आप मोम की तरह मुलायम नहीं चटटान की तरह कठोर बने। आप ऐसा बने की कोई आपका इश्तेमाल न कर पाए, उन्होंने सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने से समाज बेटियों के साथ क्या क्या घटनाएं हो रही पर प्रकाश डाला व बालिकाओं को समझाते हुए कहा कि सजग एवं सुरक्षित होकर सोशल मीडिया का प्रयोग करें जिससे हमारा नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज को जोड़ने वाली हैं जिस समाज में बेटियां सुरक्षित हो वो समाज हमेशा उन्नति करता है और जिस समाज में बेटियों का अपमान होता है वह समाज हमेशा अवनति की ओर जाता है हमारे समाज में बाल विवाह हेतु कोई स्थान नहीं है न ही होना चाहिए।

### सबको दिलाई बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की शपथ

कार्यक्रम के अंत में राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने सभी बालिकाओं को एवं उपस्थित कर्मचारियों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की शपथ दिलाया कि न ही हम बाल विवाह करेंगे और न ही अपने आसपास करने देंगे व इसका पुरजोर विरोध करेंगे, कार्यक्रम का संचालन एवं समापन की घोषणा विशाखा कश्यप अधीक्षिका कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय छिंदगढ़ रानी बहाल ने की।

# कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की, कुपोषण उन्मूलन और महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य पर जोर

**कोण्डागांव।** कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश, सभी परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बच्चों को सुपोषित करने तथा महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। कलेक्टर ने सभी सुपरवाइजरों को अपने-अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों के बेहतर रखरखाव को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों को स्वच्छ एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने आंगनबाड़ियों में बच्चों को प्राथमिकता के साथ बेसिक हाइजेनिक आदतें सिखाने तथा गर्म भोजन के साथ-साथ रेडी-टू-ईट आहार अनिवार्य रूप से प्रदान करने के निर्देश दिए। कुपोषण में कमी लाने के उद्देश्य से संचालित सुपोषित जीवन अभियान के अंतर्गत बच्चों की पोषण स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही पोषण ट्रैकर में शत-प्रतिशत प्रविष्टि, एफआरएस, पोषण सामग्री का समयबद्ध वितरण सहित अन्य कार्यों को त्रुटिरहित रूप से पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन पर भी बल दिया। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

# प्रधानमंत्री सड़क योजना में अनियमितता का आरोप: शिवसेना ने गुणवत्ता जांचने के लिए किया निरीक्षण, ठेकेदार को दी आंदोलन की चेतावनी

**भानुप्रतापपुर।** परवी से केवटी तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे डामरीकरण रिनीवल कार्य में ठेकेदार द्वारा भारी अनियमितता बरती जाने का आरोप लगा है। निर्माण कार्य की खराब गुणवत्ता की शिकायत मिलने पर, शिवसेना के प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर सड़क का निरीक्षण किया।

### मौके पर ठेकेदार के सुपरवाइजर को सख्त निर्देश

निरीक्षण के दौरान, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने सड़क निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री और कार्यप्रणाली की बारीकी से जांच की। चंद्रमौली मिश्रा ने मौके पर मौजूद ठेकेदार के सुपरवाइजर को सख्त लहजे में निर्देश दिया कि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता पूर्ण कराया जाए। मिश्रा ने स्पष्ट कहा, यदि सड़क निर्माण की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाई गई, तो तत्काल सड़क उखड़वा दी जाएगी। इसलिए, यह सुनिश्चित करें कि कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो।

### गुणवत्ता खराब होने पर आंदोलन की चेतावनी

शिवसेना प्रदेश महासचिव ने चेतावनी देते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता के हित से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, अगर ठेकेदार ने गुणवत्ता से समझौता किया और लापरवाही जारी रखी, तो शिवसेना उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी। स्थानीय निवासियों ने भी निर्माण कार्य की धीमी गति और खराब सामग्री के उपयोग पर चिंता व्यक्त की है, जिसके बाद शिवसेना ने यह कदम उठाया है। अब देखना यह है कि शिवसेना के हस्तक्षेप के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कितना सुधार आता है।

# जिला स्तरीय महिला खेल उत्सव 20 दिसंबर को

**कोण्डागांव।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला कोण्डागांव के तत्वावधान में जिला स्तरीय महिला खेल उत्सव 2025 का आयोजन 20 दिसंबर को किया जाएगा। यह आयोजन कोण्डागांव स्थित खेलो इंडिया सेंटर में प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा। इस महिला खेल उत्सव में जिले की महिला खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स (100 मीटर, 400 मीटर दौड़ एवं तवा फेंक), खो-खो, हॉकी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कुश्ती, बास्केटबॉल, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग एवं रस्साकसी को शामिल किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दो आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं। आयु वर्ग 9 से 18 वर्ष तक तथा 18 से 35 वर्ष तक का होगा। उक्त तिथि को इच्छुक महिला खिलाड़ी अपने पहचान पत्र के साथ प्रातः 9 बजे तक कोण्डागांव स्थित खेलो इंडिया तीरंदाजी सेंटर में उपस्थित होकर पंजीयन करा सकती हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिले की महिला खिलाड़ियों से अधिक से अधिक सहभागिता की अपील करते हुए कहा है कि इस खेल उत्सव में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा को प्रदर्शित करें।

# बाबा गुरु घासीदास की 269 वीं जयंती पर कोंडागांव में निकली भव्य शोभा यात्रा

**कोण्डागांव।** सतनाम धर्म के प्रवर्तक परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास की 269वीं जन्म जयंती के अवसर पर सर्व सतनामी समाज कोंडागांव द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांधी वार्ड स्थित सतनाम भवन से कोंडागांव चौपाटी मैदान तक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में समाज के संरक्षक, जिला अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे शामिल हुए। यात्रा के दौरान युवक-युवतियों के दल द्वारा आकर्षक पंथी नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने लोगों का मन मोह लिया। वहीं बाबा गुरु घासीदास के संदेश मैखे-मैखे एक समान के नारों से नगर गूंज उठा। शोभा यात्रा में जैतखंभ की भव्य झांकी भी शामिल रही, जो आकर्षण का केंद्र बनी रही। कार्यक्रम के समापन के बाद आयोजन स्थल पर युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

# विश्व हिंदू परिषद बचेली ने कराया भव्य हिंदू सम्मेलन-सनातन संगम

**बचेली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के तहत विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में सनातन संगम का आयोजन किया गया। विगत एक माह से विश्व हिंदू परिषद के सदस्य तथा स्वयंसेवक द्वारा बचेली नगर के समस्त हिन्दू परिवार के घर घर जाकर इस कार्यक्रम का निमंत्रण दिया गया था। कार्यक्रम के प्रारंभ में नगर पालिका क्षेत्र के मातृशक्ति द्वारा जशगीत की भक्तिमय प्रस्तुति की गई। तत्पश्चात मुख्य वक्ता के रूप में गुमरगुंडा आश्रम से स्वामी प्रेमस्वरूपानंद जी ने समाज को संबोधित किया। स्वामी ने समाज में पांच परिवर्तन हो ऐसा आग्रह किया। परिवार में संस्कार को बल दिया गया। पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक दायित्व और स्वदेशी को प्रमुखता से अपने जीवन अपनाने को कहा। हिंदुत्व ही राष्ट्रीयता का परिचायक है, देश के जिस क्षेत्र से हिंदु समाज कमजोर होता है वह देश से अलग हो जाता है। कार्यक्रम में मनीष गुरु, खंड संघचालक, विकास अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के विभाग संयोजक सहित अन्य गण मान्य जन उपस्थित रहें।

# रजत जयंती विशेष सप्ताह में वरिष्ठ नागरिक सम्मान सम्मेलन आयोजित

**नारायणपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य गठन के रजत जयंती अवसर पर वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा को प्रदर्शित करने हेतु 12 से 19 दिसम्बर तक विशेष सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला स्तर पर वरिष्ठ नागरिक सम्मान सम्मेलन का आयोजन जिला पंचायत प्रांगण में किया गया। सम्मेलन में जिले के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान स्वरूप शॉल एवं वृद्धछड़ी प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई, जिसके तहत श्रवण बाधित तीन दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र तथा 80 प्रतिशत अस्थिबाधित एक दिव्यांग को बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदान की गई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव और योगदान को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और सुविधा प्रदान करना है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

# पुल-पुलिया, सड़क एवं भवन निर्माण में धीमी गति पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

**कांकेर।** कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक लेकर लंबित प्रकरणों एवं कार्यों की समीक्षा कर निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान उन्हांने जिले में निर्माणाधीन सड़कों, पुल-पुलियों, भवन तथा अन्य अधोसंरचना के कार्यों की जानकारी ली तथा निर्माण कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर करते हुए शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा कलेक्टर ने एसआईआर, वर्तमान में धान खरीदी की स्थिति तथा ई-ऑफिस में प्रगति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र कुर्रे ने बताया कि बीएलओ द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे कार्य अंतिम चरण में है तथा 18 दिसम्बर तक इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीएलओ एवं बीएलए स्तर का कार्यवाही विवरण अभी जारी है। इसी तरह ई-ऑफिस के माध्यम से कार्यालयीन कार्यवाही के संबंध में बताया गया कि ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर तेजी आने पर जिले की रैंकिंग बढ़ जाएगी। धान खरीदी की प्रगति के संबंध में कलेक्टर द्वारा पूछे जाने पर खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक 01 लाख 27 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी पूर्ण हो चुकी है, जो गत वर्ष की तुलना में 105 प्रतिशत अधिक है। वर्तमान में जिले में बारदाना पर्याप्त मात्रा में है। उन्होंने बताया कि जिले में 01 लाख 01 हजार 203 पंजीकृत किसान हैं, जिनके द्वारा 01 लाख 39 हजार 728 हेक्टेयर पर ली गई धान की फसल का विक्रय किया जा रहा है। यह भी बताया गया कि जिले के 149 धान खरीदी केंद्रों में लगभग 23 प्रतिशत धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं जिले के 04 हजार 640 किसानों के द्वारा 948.450 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया गया है। जिले के किसानों द्वारा टोकन लिमिट बढ़ाए जाने की मांग पर कलेक्टर ने कहा कि 31 जनवरी 2026 तक के लिए किसानों को टोकन जारी किया जा रहा है तथा इसके बाद भी किसानों का धान बच जाता है तो इस संबंध में शासन स्तर पर किसानों के हित में यथोचित निर्णय लिया जाएगा। जिले के दूरस्थ विकासखण्डों में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के पुराने स्वीकृत कार्यों के अब तक पूर्ण नहीं होने पर असंतोष जाहिर करते हुए इन्हें जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यधारा में लौटे माओवादियों के पुनर्वास नीति के तहत सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को उपयुक्त कार्यवाही करते हुए सरलीकृत प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।

## संक्षिप्त समाचार

## रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर सेल्फ प्रोपेल्ड एक्सीडेंट रिलीफट्रेन की मॉक ड्रिल आयोजित

**बिलासपुर।** रेलवे द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चिकित्सा विभाग, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आज दिनांक 16 दिसंबर 2025 को रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर सेल्फ प्रोपेल्ड एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन की मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया । इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य रेल दुर्घटना की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय, उपलब्ध संसाधनों की तत्परता तथा बचाव एवं राहत कार्यों की कार्यकुशलता का व्यावहारिक परीक्षण करना था । मॉक ड्रिल के दौरान चिकित्सा विभाग द्वारा घायल यात्रियों को त्वरित प्राथमिक उपचार प्रदान करने, ट्रायेज की प्रक्रिया, स्ट्रेचर के माध्यम से घायलों की सुरक्षित निकासी तथा उन्हें निकटवर्ती चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँचाने की कार्यवाही का प्रदर्शन किया गया । इसके साथ ही सुरक्षा, परिचालन, यांत्रिक, विद्युत एवं इंजीनियरिंग विभागों के बीच समन्वय का भी प्रभावी ढंग से परीक्षण किया गया । मॉक ड्रिल के उपरांत उपस्थित अधिकारियों द्वारा समग्र कार्यवाही की समीक्षा की गई। इस दौरान समय प्रबंधन, संचार व्यवस्था एवं उपकरणों की तत्परता से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा सुधारात्मक सुझावों को नोट किया गया, ताकि वास्तविक आपातकालीन स्थिति में और अधिक प्रभावी एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके । यह मॉक ड्रिल आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई, जो रायगढ़ क्षेत्र में रेल सुरक्षा तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक रही ।

## संभागायुक्त की अध्यक्षता में स्वशासी समिति की बैठक संपन्न

**बिलासपुर।** संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा के स्वशासी समिति के प्रबंध कार्य कारिणी समिति की बैठक संभागायुक्त कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय कोरबा के विभिन्न प्रस्तावों के संबंध में चर्चा हुई। चर्चा में चिकित्सा महाविद्यालय के बाह्य परीक्षकों के ठहरने की व्यवस्था, काउंसलिंग हॉल की साज-सज्जा के साथ-साथ चिकित्सालय में मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराये जाने की दृष्टिकोण से ब्लड सेंटर में स्थापित कम्पोनेट युनिट के संचालन हेतु विभिन्न उपकरण, रेडियोलॉजी विभाग के लिये 1 नग सीआर सिस्टम, ई-ऑफिस के सुचारू संचालन हेतु इंटरप्राइज फायरवॉल एवं अन्य आवश्यक उपकरण क्रय किये जाने के संबंध में प्रस्ताव परित किया गया है। बैठक में सचिव स्वशासी समिति एवं अधिष्ठाता डॉ. के. के. सहारे, संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. गोपाल सिंह कंवर, प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा डॉ. सी. के. सिंह, उप अस्पताल अधीक्षक डॉ. दुर्गा शंकर पटेल, श्री अशोक कुमार महिपाल, प्रशासकीय अधिकारी, सीजीएमएससी के अधिकारी एवं अन्य विभागों के सदस्यगण उपस्थित रहे।

## जिले में अब तक 1.91 मी. टन धान की खरीदी

**बिलासपुर।** धान खरीदी अभियान के अंतर्गत अब तक जिले में 1.91 लाख मीटरिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। खरीदे गये धान की कीमत लगभग 453 करोड़ रूपये है। मार्कफेड से मिली जानकारी के अनुसार गत वर्ष की तुलना में 83 प्रतिशत धान की आवक हो चुकी है। 16 दिसम्बर को 13 हजार 270 मीटरिक टन धान की खरीदी की गई। समिति द्वारा खरीदे गये धान में से 1.80 लाख मी.टन धान को कस्टम मिलिंग के लिए राईस मिलर्स को डीओ जारी कर दिया गया है। डीओ का प्रतिशत कुल खरीदे गये धान का 94 फीसदी है। इसमें से 1 लाख 7 हजार मीटरिक टन धान का उठाव भी किया जा चुका है। जारी डीओ के विरूद्ध 60 प्रतिशत धान का उठाव राईस मिलरों द्वारा किया जा चुका है। मालूम हो कि जिले में 1.33 लाख किसानों ने धान बेचने के लिए अपना पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों में से लगभग 40 हजार किसानों ने अपने उपज का विक्रय कर लिया है। किसानों ने धान बेचने के उपरांत लगभग 72 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया है। जिले में 120 मिलरों द्वारा धान का उठाव कर कस्टम मिलिंग का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

### अमित का तबादला सुकमा में जिला कलेक्टर के रूप में हुआ

# जिला कार्यालय में निगम आयुक्त अमित कुमार को दी गई बिदाई

**बिलासपुर।** नगर निगम आयुक्त अमित कुमार को जिला कार्यालय में बिदाई दी गई। श्री अमित का तबादला सुकमा में जिला कलेक्टर के रूप में हुआ है। कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह सहित जिला कार्यालय एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। जिला प्रशासन की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बिदाई भाषण में कहा कि श्री अमित कुमार के नेतृत्व में बिलासपुर में शहरी विकास के नये कीर्तिमान गढ़े हैं। शहर की सभी दिशाओं में संतुलित रूप से शहर का विकास हुआ है। शहरी विकास के साथ-साथ जिला प्रशासन के संकटमोचक के रूप में उन्होंने सराहनीय काम किया है। विनम्रता के साथ लोगों को समझा पाने का अद्धितीय गुण उनमें मौजूद है, जिसके कारण इतने कम समय में तेजी से शहर का विकास संभव हो सका है। फाईल के साथ फिल्ड में भी उनकी पकड़ मजबूत रहती थी। सोसायटी की जरूरत को वे अच्छी तरह से समझते थे और शासकीय योजनाओं से उन्हें जोड़कर अच्छा परिणाम देते थे। इतने कम सेवाकाल में भी उनकी सूझबूझ और अनुभव बहुत ज्यादा है। एसएसपी रजनेश सिंह ने पुलिस विभाग की ओर से निगम आयुक्त को कलेक्टर बनने पर बधाई दी। श्री सिंह ने उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि भद्राचलम और सुकमा में विकास का जो अंतर दिखाई देता था, वह अब मिट जायेगा। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने में निगम प्रशासन की ओर से बहुत सहयोग मिला है। श्री सिंह ने कहा कि श्री अमित बिलासपुर में डिजिटल अफसर के रूप में प्रसिद्ध थे। हर जानकारी एवं योजना उनकी मोबाईल में कैद होता था। और हर समस्या का समाधान उनके पास मौजूद रहता था। नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार ने कहा कि निगम के कामों में कलेक्टर संजय अग्रवाल का भरपूर सहयोग मिला। यहां काम करने के लिए बुनियादी चीजें मौजूद थी,उसे हमने सबके सहयोग से आगे बढ़ाया है। शहर को अतिक्रमण मुक्त और यातायात को सुव्यवस्थित करने में पुलिस विभाग से पूरा सहयोग मिला। उन्होंने कहा किबिलासपुर जिले से मैं काफी कुछ सीखा हूं और इन्हें सुखद यादगार के रूप में लेकर बिदा हो रहा हूं। उन्होंने सहयोग के लिए हर अधिकारी और विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया,जिनके सहयोग से कुशलता पूर्वक अपने दायित्व को निभा पाया। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल,सहायक कलेक्टर अरविन्द कुमारन, एडिशनल कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी, ज्योति पटेल, एसडीएम मनीष साहू, ईई पीडब्ल्यूडी विन्ध्यराज, ईडीएम आफ्ताब, डीपीओ सुरेश सिंह, डीपीएम पीयूली मजूमदार, तहसीलदार शिल्पा भगत ने भी स्थानांतररित कमिश्नर श्री अमित कुमार के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं और कार्य अनुभव अनुभव को साझा किया। बिदाई समारोह का संचालन एवं आभार प्रदर्शन एसडीएम बिल्हा आकांक्षा त्रिपाठी ने किया।

# धान खरीदी केंद्रों पर महिला किसानों की बढ़ती मौजूदगी

■ टोकन तुहर हाथ' ऐप से सातों दिन 24 घंटे ऑनलाइन टोकन सुविधा

**बिलासपुर।** जिले के धान खरीदी केंद्रों पर इन दिनों महिला किसानों की नियमित मौजूदगी देखी जा रही है। समर्थन मूल्य पर जारी धान खरीदी के दौरान महिलाएं बड़ी संख्या में केंद्रों पर पहुंचकर अपनी उपज बेच रही हैं और खरीदी व्यवस्था को लेकर अपने अनुभव साझा कर रही हैं। किसानों के अनुसार धान खरीदी के लिए सरकार द्वारा सारी सुविधाएं दी जा रही हैं। नवाडीह की महिला किसान शकुंतला धीवर ने बताया कि वे 63 कट्टी धान लेकर सीपत धान खरीदी केंद्र पहुंचीं। टोकन से लेकर तौल तक की प्रक्रिया आसान रही और केंद्र में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध थी। पंधी गांव से जांजी धान खरीदी केंद्र पहुंचीं महिला किसान श्रीमती लक्ष्मी ने बताया कि वे 100 कट्टी धान बेचने आई हैं और किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। महिला किसान सुनसुन बी ने 180 कट्टी धान बेचते हुए बताया कि धान खरीदी केंद्र में सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं और तौल समय पर हो रहा है। वहीं जांजी धान खरीदी केंद्र में 100 कट्टी धान लेकर पहुंचीं महिला किसान श्रीमती सीमा ने भी केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर सकारात्मक अनुभव साझा किए। धान खरीदी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए शुरू की गई 'टोकन तुहर हाथ' ऐप व्यवस्था का असर ज़मीन पर साफ दिखाई दे रहा है। अब किसानों को टोकन के लिए उपार्जन केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, क्योंकि सातों दिन चौबीस घंटे ऑनलाइन टोकन कटाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

# बिलासपुर में दो दिवसीय सेफ्टी कैप्सूल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया....

**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के केंद्रीय चिकित्सालय, बिलासपुर में कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से दिनांक 15 दिसंबर 2025 से 16 दिसंबर 2025 तक दो दिवसीय सेफ्टी कैप्सूल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा विभागीय कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य प्रणाली, संभावित जोखिमों की पहचान तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं उचित प्रतिक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित करना था ।कार्यक्रम के प्रथम दिवस में कार्यस्थल सुरक्षा के मूल सिद्धांत, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का सही उपयोग, अग्नि सुरक्षा तथा प्राथमिक उपचार से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों के साथ ऑडियोङ्कविजुअल प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया । कार्यक्रम के दौरान मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया तथा प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया, जिससे कर्मचारियों में सुरक्षा संबंधी विषयों की बेहतर समझ विकसित हो सके । इस दो दिवसीय सेफ्टी कैप्सूल कार्यक्रम में चिकित्सा विभाग के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ पैरामेडिकल एवं सहायक कर्मचारी उपस्थित रहे । कार्यक्रम के सफल आयोजन से कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ तथा सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिली । अंत में प्रतिभागियों ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सेवा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके ।

## प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से बदली जीवन की दिशाः सोलर ऊर्जा से मिली बिजली बिल की चिंता से मुक्ति

**कोरबा।** कोरबा जिले के पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुंगाडीह निवासी श्री आकाश कुमार डिक्सेना के परिवार के लिए बिजली का बढ़ता बिल लंबे समय से परेशानी का कारण बना हुआ था। उनके पिता खेती-किसानी से जुड़े किसान हैं और माता गृहिणी हैं। सीमित आय वाले इस परिवार पर हर माह आने वाला अधिक बिजली बिल आर्थिक दबाव पैदा कर रहा था। आकाश कुमार डिक्सेना ने बताया कि जब उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के बारे में जानकारी मिली और यह पता चला कि इस योजना के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा विशेष सब्सिडी दी जा रही है, तब उन्होंने अपने घर में सोलर सिस्टम लगवाने का निर्णय लिया। बिजली बिल में राहत पाने और भविष्य को सुरक्षित बनाने की सोच के साथ उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम लगाने में कुल लगभग 3 लाख 30 हजार रुपये की लागत आई, जिसमें केंद्र सरकार से सब्सिडी का लाभ भी प्राप्त हुआ। आकाश कुमार का कहना है कि जिस प्रकार बिजली की खपत और बिजली बिल लगातार बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में सोलर ऊर्जा एक स्थायी और लाभकारी समाधान है। उनका उद्देश्य न केवल वर्तमान बिजली खर्च से राहत पाना था, बल्कि आने वाले समय में भी आर्थिक बचत सुनिश्चित करना था। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को बढ़ावा दिए जाने से प्रेरित होकर उन्होंने विद्युत विभाग से संपर्क किया और सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर अपने घर में सोलर सिस्टम लगवाया।

# सिम्स में सर्वाइकल कैंसर पर कार्यशाला आयोजित

**बिलासपुर।** सिम्स अस्पताल में महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान एवं उपचार को लेकर एक दिवसीय निरंतर चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को सर्वाइकल कैंसर से संबंधित आधुनिक चिकित्सकीय जानकारियों से अवगत कराया गया। कार्यशाला में देशभर से 200 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यशाला में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सर्वाइकल कैंसर के कारणों, जोखिम कारकों, प्रारंभिक लक्षणों, जांच की आधुनिक तकनीकों जैसे पैप स्मीयर एवं एचपीवी टेस्ट, साथ ही उपचार की उपलब्ध विधियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, जिसकी समय पर पहचान एवं नियमित जांच के माध्यम से प्रभावी रोकथाम संभव है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि एचपीवी टीकाकरण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियमित चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर के मामलों में कमी लाई जा सकती है। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सकों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान विशेषज्ञों से प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मधुमिता मूर्ति, अधिष्ठाता सिम्स, आर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. मानू प्रताप सिंह, संचालक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी सिम्स बिलासपुर व चिकित्सा अधीक्षक सह-स्रयुक्त संचालक, के.एस.एस.डी. एस. जे. जे. शाराकीय सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कोनी आर्गनाईजिंग को-वेयरमैन डॉ. साधना बागड़े एसोसियेट प्रोफेसर व आर्गनाईजिंग रोक्रेटरी डॉ. चित्रांगी पी. बरपाण्डेय एसोसियेट प्रोफेसर पैथोलॉजी विभाग सिम्स बिलासपुर रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ विशिष्ट वक्ता डॉ. सुप्रिता नायक जी.एम.सी. नागपूर द्वारा सर्वाइकल कैंसर के ग्लेन्डुलर लीसन्स विषय पर जानकारी के साथ किया गया। कार्यशाला में देशभर से लगभग 200 प्रतिभागी ऑनलाईन शामिल हुये। छत्तीसगढ़ व आसपास राज्यों के प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. ज्योति पोते. डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय सिंह, डॉ. आकृति शर्मा, डॉ. रश्मि नायक, डॉ. मनोज क्षत्री, डॉ. ईशान साहू डॉ. रश्मि साहू, डॉ. नागेन्द्र साहू, डॉ. प्रभाकर प्रधान, डॉ. सौम्य रंजन, डॉ. प्रशांत ठाकूर, डॉ. असीम आनंद मसीह, डॉ. मुकुन्द शर्मा तथा समस्त पी.जी. स्टूडेंट का योगदान रहा।

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,नागपुर मंडल फर्जी टिकटों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने वाले टीटीई सम्मानित

**बिलासपुर।** नागपुर मंडल में फर्जी टिकटों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर उत्कृष्ट योगदान देने वाले टिकट जांच कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, नागपुर मंडल श्री दिलीप सिंह द्वारा टिकट जांच कर्मचारी श्री इन्द्रजीत कुमार एवं श्री मिथिलेश कुमार वर्मा (टीटीई) को उनके उत्कृष्ट कार्य, सतर्कता, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों ने फर्जी टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़कर रेलवे राजस्व की प्रभावी रूप से रक्षा की। ज्ञात हो कि इससे पूर्व दिनांक 12.12.2025 को गाड़ी संख्या 12833 में नागपुरङ्कगोंदिया सेक्शन के दौरान ड्यूटी पर तैनात टीटीई श्री इन्द्रजीत कुमार ने दो यात्रियों को एक ही सीट पर दावा करते हुए पाया। संदेह होने पर दोनों यात्रियों के ई-टिकटों की एचएचटी उपकरण से जांच की गई, जिसमें एक ई-टिकट वास्तविक तथा दूसरा निष्क्रिय (फ्लश्ड) पीएनआर के आधार पर तैयार किया गया फर्जी ई-टिकट पाया गया। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि उक्त फर्जी टिकट एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराया गया था, जिससे संपर्क करने पर उसका मोबाइल फोन बंद पाया गया। जांच से यह स्पष्ट हुआ कि फ्लश्ड पीएनआर का दुरुपयोग कर ई-टिकट की पीडीएफ फाइल को डिजिटल रूप से एडिट करते हुए एआई टूल्स की सहायता से नकली ई-टिकट तैयार किया गया था। इस अवसर पर श्री दिलीप सिंह ने कहा कि फर्जी टिकटों के विरुद्ध सख्त एवं सतत कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा, पारदर्शिता तथा रेलवे की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अन्य कर्मचारियों से भी इसी प्रकार ईमानदारी, सजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री पी. बी. राव, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अरविंद कुमार सहित वाणिज्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाने वाली रही। नागपुर मंडल द्वारा भविष्य में भी फर्जी टिकटों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं भरोसेमंद रेल यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।

## 6 दशक से कर रहे खेती फिर भी अवैध किसान...

■ उपेक्षा से त्रस्त किसानों ने वन अधिकार पट्टा के लिए एसडीएम कार्यालय में लगाई गुहार

**कोरबा।** तहसील पसान अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर (लैंगा) के आश्रित ग्राम लोकडहा के ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित वन अधिकार पट्टा के मुद्दे को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पोंड़ी उपरोड़ा को सामूहिक ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि वे 60 से 70 वर्षों से संबंधित भूमि पर काबिज होकर खेती करते आ रहे हैं, इसके बावजूद आज तक न उन्हें वन अधिकार पट्टा मिला और न ही राजस्व पट्टा जारी किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि पट्टे के अभाव में वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, बैंक ऋण और अन्य शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। किसानों ने वन अधिकार अधिनियम के तहत अपने वास्तविक कब्जे के अनुरूप व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा प्रदान करने की मांग करते हुए विशेष ग्राम सभा आयोजित कराने पर जोर दिया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि ग्राम पंचायत रामपुर (लैंगा) के सचिव द्वारा कलेक्टर अथवा एसडीएम के आदेश का हवाला देकर विशेष ग्राम सभा की अनुशंसा नहीं की जा रही है, जिससे पूरी प्रक्रिया ठप पड़ी है।

# न होगा हार्ट अटैक न बढ़ेगा ब्लड शुगर

## अपनी डाइट में शामिल करें ये फूड्स

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया भर में करीब 1।28 अरब लोगों का बीपी बढ़ा हुआ है। इनमें से 75 लाख लोगों की मौत हाई ब्लड प्रेशर की वजह से हो जाती है। हाई बीपी के कारण हार्ट अटैक या हार्ट से संबंधित बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। वहीं आंकड़ों के मुताबिक विश्व में 42.2 करोड़ से ज्यादा लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। इसके साथ ही करीब 15 लाख लोगों की मौत हर साल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डायबिटीज के कारण होती है। भारत में डायबिटीज के 8 करोड़ मरीज हैं। अगर लाइफस्टाइल में सुधार कर हम अपनी डाइट में कुछ फूड को रोजाना शामिल कर लें, तो इन दोनों बीमारियों से बचा जा सकता है। एक्सपर्ट के मुताबिक जिस सीजन में जो सब्जियां मिलती हैं, उसी सब्जियों के नियमित सेवन से कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

### ये फूड हार्ट डिजीज और डायबिटीज से बचाएंगे

**हरी पत्तीदार सब्जियां**

आमतौर पर हम हरी पत्तीदार सब्जियों को कभी-कभार ही अपने भोजन में शामिल करते हैं लेकिन इसे मामूली समझने की भूल कभी न करें। ये पत्तीदार सब्जियां हमें कई बीमारियों से बचाती है। रिपोर्ट के मुताबिक जितनी हरी पत्तीदार सब्जियां होंगी, उनमें विटामिन ए, सी, ई, के और मैग्नीशियम के भरमार होंगे। कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिक्ल से बचाएंगे जिससे सेल्स में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस नहीं होगा। इससे किसी बाहरी बीमारियों के पनपने का खतरा टल जाएगा। आप इसे रोज सलाद में भी ले सकते हैं। ये चीजें कोलेस्ट्रॉल को कम करेगी और ब्लड शुगर को भी नीचे ले आएगी। अगर जवानी से ही इसे खाया जाए तो दोनों बीमारियों का जोखिम बहुत कम हो जाएगा।

**कोल्ड वाटर फिश**

सेलमन, टूना, सार्डिन कोल्ड वाटर मछली है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड की कोई कमी नहीं होती। ओमेगा 3 फैटी एसिड ट्राईग्लिसराइड्स को बढ़ने नहीं देता, जिससे कोलेस्ट्रॉल भी कम हो जाता है और हार्ट को हेल्दी करने में मदद करता है। ये मछलियां डायबिटीज को कंट्रोल करने में भी बहुत मदद करती है।

**बादाम**

बादाम को हार्ट की हेल्थ के लिए सुपरफूड माना जाता है। इसमें कई प्रकार के विटामिन, मिनरल्स, ओमेगा 3 फैटी एसिड और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। आप बादाम गिरी, अखरोट, मूंगफली, अलमंड आदि को रोज सुबह खाली पेट भींगाकर खा सकते हैं। पब मेड सेंट्रल की रिसर्च के मुताबिक सप्ताह में 5 बादाम हार्ट को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए काफी है। बादाम में बहुत अधिक एनर्जी रहती है । यह ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करता है।

**ऑलिव ऑयल**

आप ट्रांस फैट और अनसैचुरेट फैट वाले तेल को ऑलिव ऑयल से बदल सकते हैं। ऑलिव ऑयल में हाई एंटीऑक्सीडेंट्स होता है और यह एंटी-इंफ्लामेटरी होता है। यानी यह हार्ट के मसल्स में किसी तरह की सूजन नहीं होने देता है। इसके साथ ही यह डायबिटीज को भी कंट्रोल करता है। ऑलिव ऑयल इसलिए भी फायदेमंद है क्योंकि उच्च तापमान पर भी यह अपना गुण नहीं खोता है।

# शर्ट के लेटेस्ट डिफरेंट कलर करें ट्राई

## दिखेंगे स्मार्ट और स्टाइलिश

शर्ट को पुरुषों के ऑल टाइम फैशन ट्रेंड में गिना जाता है। ऐसे में कैजुअल वियर से लेकर स्पेशल ओकेजन के लिए मेंस अलग-अलग कलर की शर्ट ट्राई करते हैं। क्या आप शर्ट के लेटेस्ट ट्रेंड्स के बारे में जानते हैं? जी हां, कुछ खास कलर की शर्ट के साथ कंट्रास्टिंग पैंट या ट्राउजर कैरी करके आप मिनटों में डैशिंग और स्टाइलिश लुक हासिल कर सकते हैं। वैसे तो पुरुषों के पास शर्ट के ढेर सारे कलेक्शन मौजूद रहते हैं। इसके बावजूद बेस्ट लुक पाने के लिए ज्यादातर पुरुष शर्ट के कलर को लेकर कन्फ्यूज हो जाते हैं। आइए हम आपको बताते हैं शर्ट के लेटेस्ट कलर ट्रेंड के बारे में, जिसे फॉलो करके आप सबसे हैंडसम और स्मार्ट दिख सकते हैं।

**लाइट ब्लू शर्ट**

आजकल लाइट ब्लू कलर की शर्ट पुरुषों में काफी कॉमन हो गई है। वहीं, लाइट ब्लू शर्ट के साथ ग्रे, खाकी, व्हाइट, ब्राउन और चारकोल ब्लैक बॉटम वियर पहनना बेस्ट होता है।

**सफेद शर्ट**

सफेद कलर की शर्ट ज्यादातर पुरुषों की फेवरेट होती है। सफेद शर्ट पहनने से ना सिर्फ आपका लुक निखर कर सामने आता है बल्कि इसके साथ आप हर रंग की पैंट या ट्राउडर भी कैरी कर सकते हैं।

**रेड चेक शर्ट**

परफेक्ट कैजुअल लुक कैरी करने के लिए लाल रंग की चेक शर्ट पहनना बेस्ट ऑप्शन होता है। वहीं रेड चेक शर्ट के साथ आप ब्लैक ट्राउजर या चीनो ट्राई कर सकते हैं।

**येलो शर्ट**

येलो कलर की शर्ट भी पुरुषों को यूनीक लुक देने का काम करती है। हालांकि डार्क स्किन टोन वाले पुरुषों के लिए लाइट येलो शर्ट का सेलेक्शन बेस्ट रहता है। वहीं स्किन टोन फेयर होने पर आप डार्क या ऑफ येलो शर्ट चूज कर सकते हैं। ऐसे में येलो शर्ट के साथ आप खाकी, ऑलिव ग्रीन, ब्राउन, नेवी और चारकोल कलर का बॉटम वियर कैरी कर सकते हैं।

**ब्लैक शर्ट**

रॉयल और डीसेंट लुक कैरी करने के लिए आप ब्लैक शर्ट ट्राई कर सकते हैं। वहीं ब्लैक शर्ट के साथ चारकोल, लाइट ग्रे रंग के ट्राउजर या शॉर्ट्स पहनकर आप अपने लुक को आसानी से एन्हॉन्स कर सकते हैं।

**लाइट ग्रीन शर्ट**

लाइट ग्रीन रंग की शर्ट ट्राई करके आप डिफरेंट लुक कैरी कर सकते हैं। वहीं ऑलिव ग्रीन, ब्लैक, नेवी, ग्रे और ब्राउन कलर के पैंट या ट्राउजर लाइट ग्रीन शर्ट के साथ परफेक्टली मैच करते हैं।

**लैवेंडर शर्ट**

वर्सेटाइल लुक पाने के लिए लैवेंडर कलर की शर्ट पहनना भी बेस्ट हो सकता है। वहीं, लैवेंडर शर्ट के साथ ब्लैक, नेवी, ब्राउन और डीप ग्रीन जैसे डार्क कलर के बॉटम वियर कैरी करके आप काफी अट्रैक्टिव दिख सकते हैं।

# बुखार चेक करते समय ऐसे करें थर्मामीटर का इस्तेमाल

## रीडिंग नहीं होगी गलत

बदलते मौसम में अक्सर लोगों की तबीयत खराब हो जाती है। ऐसे में खांसी, जुकाम और बुखार होना काफी आम बात होती है। कई बार लोगों को हरारत भी महसूस होने लगती है। हालांकि, फीवर चेक करते समय लोग अक्सर कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे ना सिर्फ थर्मामीटर (Thermometer) की रीडिंग गलत आती है, बल्कि इससे आपको कई दिक्कतें भी हो सकती हैं।

फीवर चेक करने के लिए थर्मामीटर का इस्तेमाल करना काफी आसान होता है मगर कई बार थर्मामीटर यूज करते समय लोग कुछ कॉमन मिस्टेक्स कर बैठते हैं। इससे आपको बॉडी टेम्प्रेचर की प्रॉपर जानकारी नहीं मिल पाती है। आइए जानते हैं फीवर चेक करने के सही तरीके के बारे में, जिसे ध्यान में रखकर आप गलत रीडिंग को अवॉयड कर सकते हैं।

**लेंस को क्लीन रखें**

थर्मल स्कैनर के लेंस पर अक्सर धूल, मिट्टी या गंदगी जम जाती है, जिससे थर्मामीटर की रीडिंग गलत आ सकती है। ऐसे में थर्मामीटर का इस्तेमाल करते समय स्कैनर के लेंस को जरूर साफ कर लें।

**डाइट पर फोकस करें**

गर्म या ठंडा ड्रिंक पीने से शरीर का तापमान भी प्रभावित होता है। जिससे थर्मामीटर फीवर की गलत रीडिंग देने लगता है। ऐसे में फीवर चेक करने से 15 मिनट पहले गर्म या ठंडी चीजों को अवॉयड करना बेहतर रहता है।

**जीभ के नीचे रखें थर्मामीटर**

फीवर चेक करते समय कुछ लोग थर्मामीटर को मुंह में सही तरह से नहीं रखते हैं। साथ ही समय पर भी ध्यान नहीं देते हैं। इसलिए जरूरी है कि फीवर चेक करते समय थर्मामीटर को जीभ के नीचे लगभग 5 मिनट तक रखें। इससे बाद ही रीडिंग चेक करें।

**थर्मामीटर का टाइप**

बुखार की सटीक रीडिंग लेने के लिए पारा यानी मर्करी वाले थर्मामीटर का इस्तेमाल बेस्ट होता है। हालांकि पारा वाला थर्मामीटर मार्किट में बहुत कम देखने को मिलता है। साथ ही इसको जहरीली प्रवृति का भी माना जाता है।

**डिजिटल थर्मामीटर का इस्तेमाल**

डिजिटल थर्मामीटर का इस्तेमाल आजकल काफी आम होता है। मगर कई बार गिरने या बैटरी खराब होने के कारण डिजिटल थर्मामीटर गलत रीडिंग देने लगता है। जिसके कारण आपको बुखार का सही पता नहीं चल पाता है।

**जीभ को स्टेबल रखें**

थर्मामीटर को मुंह में रखने के बाद लोग अक्सर जीभ हिलाने लगते हैं। जिससे थर्मामीटर की रीडिंग चेंज हो जाती है। इसलिए थर्मामीटर से फीवर की सटीक जानकारी लेने के लिए जीभ को स्टेबल रखना जरूरी रहता है।

**रूम टेंपरेचर पर दें ध्यान**

ठंडे कमरे में रखने के बाद थर्मामीटर का इस्तेमाल करने से रीडिंग गलत आ सकती है। इसलिए थर्मामीटर को यूज करने से आधे घंटे पहले नॉर्मल रूम टेंप्रेचर में रखें और थर्मामीटर का तापमान सामान्य होने के बाद ही इसका इस्तेमाल करें।

# पैरों से जानें शरीर में विटामिन बी-12 की कमी के संकेत

मानव शरीर को हर रोज खून में लाल रक्त कोशिकाएं, नर्व सेल्स और डीएनए को बनाने के लिए विटामिन बी 12 की जरूरत होती है। इसके अलावा शरीर में कई फंक्शन को पूरा करने के लिए भी विटामिन बी 12 आवश्यक है। खून के आरबीसी में ही हीमोग्लोबिन होता है और यह शरीर की नसों के माध्यम से ही ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों को पहुंचाता है। जब हीमोग्लोबिन कम हो जाएगा और नसें कमजोर हो जाएंगी तो शरीर के अंगों में न तो ऑक्सीजन सही से पहुंचेगा और न ही पोषक तत्व पहुंचेगा। इस स्थिति में अंदाजा लगाया जा सकता है कि शरीर का क्या हाल होगा। यही कारण है विटामिन बी 12 की कमी से पूरा शरीर कमजोर हो जाता है। नसें कमजोर होने के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। विटामिन बी 12 की कमी से एनीमिया की बीमारी हो जाती है। इससे नस और दिमाग का काम सही से नहीं हो पाता है। चूंकि हमारा शरीर विटामिन बी 12 का उत्पादन नहीं करता है, इसलिए हमें विटामिन बी 12 को भोजन से प्राप्त करना हर रोज जरूरी हो जाता है। हर दिन हमें 2।4 माइक्रोग्राम विटामिन बी12 की जरूरत होती है।

**विटामिन बी 12 की कमी के संकेत**

1. **हाथ-पैरों में सुन्नपन** - हार्वर्ड हेल्थ के मुताबिक चूंकि विटामिन बी 12 की कमी के कारण हीमोग्लोबिन कम हो जाता है जिससे ऑक्सीजन की सप्लाई सही से नहीं हो पाती। इसलिए इसका पहला असर शरीर के सबसे आखिरी छोर यानी पैरों में दिखता है। ऐसा लगता है कि पैरों में अचानक सेंसेशन होने लगी है। कभी-कभी पैर एकदम सुन्न पड़ जाता है। बीमारी ज्यादा गंभीर होने पर हाथ, पैर और जांघें कांपने लगते हैं, थड़थड़ाने लगते हैं।

2. **चलने में दिक्कत**- विटामिन बी-12 की कमी से नर्व सेल्स नहीं बनते। जब नर्व सेल्स नहीं बनेंगे तो नसें कमजोर हो जाएंगी। इससे शरीर पर नियंत्रण नहीं रहेगा। यही कारण है कि चलने में दिक्कत हो सकती है। बुजुर्ग चलने के दौरान गिर सकते हैं।

3. **एनीमिया**-विटामिन बी-12 की कमी होने पर आरबीसी से हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है। इसे एनीमिया की बीमारी कहते हैं। प्रेग्नेंट महिलाओं में एनीमिया की कमी होने पर भारी परेशानी हो सकती है।

4. **जीभ में सूजन**-जब विटामिन बी 12 की कमी होती है तो जीभ भारी हो जाता है और जीभ में सूजन हो जाती है। जीभ में सूजन हो जाए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

5. **सोचने में दिक्कत**-विटामिन बी 12 की कमी होने पर सोचने में दिक्कत होती है। किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है। क्योंकि दिमाग तक ऑक्सीजन सही से नहीं पहुंचता।

6. **कमजोरी, थकान**-जब नसें कमजोर होगी और ऑक्सीजन शरीर के अंगों तक नहीं पहुंचेगा तो शरीर में कमजोरी और थकान होगी ही।

**विटामिन बी-12 की कमी को कैसे पूरा करें?**

दूध, दही, अंडा, डेयरी प्रोडक्ट, साबुत अनाज, चुकंदर, आलू, मशरूम, फोर्टिफाइड ब्रेकफास्ट सेरिएल, सीजनल हरी सब्जियां, ताजे फलों से विटामिन बी 12 प्राप्त किया जा सकता है। साबुत अनाज से न सिर्फ विटामिन बी 12 की प्राप्ति की जा सकती है बल्कि इससे प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट सहित कई तरह के पोषक तत्वों को प्राप्त किया जा सकता है।

# पति-पत्नी के बीच बातचीत हो गई है कम

## इन टिप्स की मदद से रिश्तों में लाएं मिठास

**रिश्ते में नोंकझोंक होना स्वाभाविक है। यह एक नॉर्मल कपल की निशानी कही जा सकती है, लेकिन अगर आपके बीच बातचीत कम हो रही है या आप एक-दूसरे को अपनी परेशानियां या अपनी खुशियां शेयर नहीं कर पाते तो ये आगे चलकर परेशानियों की वजह बन सकती है। बेहतर कम्युनिकेशन आपके बीच विश्वास को बढ़ाता है, इसलिए बहुत ही जरूरी है कि रिश्ते में रहते हुए हम बेहतर तरीके से फ्री होकर आपस में बातचीत कर सकें...**

1. अगर आप बहुत अधिक इमोशनल हैं, परेशान हैं या कोई बात बुरी लगी है तो पहले खुद को शांत और सेटल करने का प्रयास करें। मसलन आप अकेले रूम में लेट जाएं और कोई मधुर संगीत सुनें। जब आप रिलैक्स महसूस करें तब ही अपने पार्टनर से इस विषय पर बात करें। ऐसा करने से बात लड़ाई या स्ट्रेस तक नहीं पहुंचेगी और आप बेहतर तरीके से कम्युनिकेट कर पाएंगे।

2. 'तुम' शब्द की बजाय 'मैं' से बातचीत की शुरुआत करें। आमतौर पर लोग आपस में बातचीत की शुरुआत अपने इमोशन को व्यक्त करने की बजाय दूसरे पर ब्लेम करते हुए करते हैं। ऐसा ना करें। इसके लिए इस फॉर्मूला को याद रखें कि जब भी कोई बात कहनी हो तो पहले बताएं कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ऐसा करना गेम चेंजर साबित होगा और आपके बीच बेहतर बातचीत हो पाएगी।

3. अगर आप पार्टनर की बात गौर से सुनेंगे तो आपके बीच की दूरियों को कम करने में आसानी होगी। इसके लिए आप हमेशा सुनाने की बजाय सुनने की आदत भी डालें। कई बार समस्याएं केवल बातों को सुन लेने से ही दूर हो जाती है और क्वालिटी टाइम बीतता है।

4. यह याद रखें कि बिना बताये पार्टनर आपके दिमाग में चल रही बातों को नहीं समझ सकता, इसलिए माइंडरीड करने की उम्मीद भी ना रखें। ऐसा करने से रिश्ते पर बोझ नहीं आएगा। आप अगर बोलकर अपनी बात नहीं बता पा रहे तो मैसेज कर या लिखकर अपनी बात बताएं। लेकिन सही तरीके से बनाएं जरूर।

# रसोई के इन मसालों से स्वास्थ्य बनाएं बेहतर

## आम जीवन में करते हैं उपयोग

**हल्दी** – हर भारतीय किचन में हल्दी आसानी से मिल जाती है। लगभग सभी सब्जियों और अन्य फूड आइटम्स में हल्दी का उपयोग किया जाता है। हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व मौजूद होता है जो काफी फायदेमंद होता है। साल 2013 में हुए स्टडीज के रिव्यू के अनुसार करक्यूमिन ब्लड में ग्लूकोज के लेवल को घटाने में मदद करता है। इसके साथ ही इसमें डायबिटीज से संबंधित अन्य जटिलताओं को दूर करने में भी मददगार होता है। रिसर्चर्स ने ये भी पाया कि करक्यूमिन डायबिटीज को रोकने में भी बड़ी भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही एक अन्य रिसर्च के नतीजों में सामने आया कि हल्दी का एक्सट्रेक्ट ब्लड शुगर लेवल को स्टेबलाइजर कर सकता है और डायबिटीज को और ज्यादा मैनेजेबल बना सकता है।

**मेथी दाना** – हल्दी की तरह ही मेथी दाना भी भारतीय किचन का एक महत्वपूर्ण मसाला है। मेथी दाना में औषधीय गुण मौजूद हैं। दाना का सेवन डायबिटीज में मददगार हो सकता है। मेथी दाना में फाइबर के साथ ही अन्य तत्व पाए जाते हैं जो कि डाइजेशन को स्लो कर देते हैं और शरीर में शुगर और कार्बोहाइड्रेट्स का अवशोषण भी धीमा हो जाता है। मेथी दाना का सेवन शरीर में इंसुलिन के रिलीज होने की मात्रा को भी बढ़ा देता है। ऐसे में छोटा सा दिखने वाला पीला मेथी दाना शुगर पेशेंट्स के लिए काफी लाभदायक हो सकता है।

हल्दी और मेथी दाना के अलावा किचन में मौजूद अन्य मसाले भी डायबिटीज समेत अन्य बीमारियों में काफी फायदेमंद हो सकते हैं। इसमें दालचीनी, तुलसी और अदरक शामिल हैं। दालचीनी में पोषक तत्वों की भरमार है और ये नेचुरल स्वीटनर है जो कि ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है। इसके अलावा अदरक में एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण भी पाये जाते हैं। अदरक शुगर कंट्रोल करने के साथ सर्दी, खांसी जैसी बीमारियों में भी काफी लाभकारी होता है। तुलसी के पत्तों में भी एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जो कि कई बीमारियों से बचाव कर सकते हैं।

# ट्राई करें स्वाद से भरा रसम

**रसम बनाने के लिए सामग्री**

- टमाटर – 1
- राई – 1 टी स्पून
- कढ़ी पत्ते – 10-15
- हरी मिर्च – 1
- हरा धनिया – 2 टेबलस्पून
- इमली एक्स्ट्रेक्ट – 1 कप
- हल्दी – 1/4 टी स्पून
- हींग – 1 चुटकी
- सूखी लाल मिर्च – 2
- तेल – 2 टेबलस्पून
- पानी – 3 कप
- नमक – स्वादानुसार

**मसाला पेस्ट के लिए**

- जीरा – 1 टेबलस्पून
- लहसुन – 3 पुत्थी
- धनिया स्टेम – 2 टेबलस्पून
- काली मिर्च – 1 टी स्पून

**रसम बनाने की विधि**

साउथ इंडियन स्टाइल का रसम बनाने के लिए सबसे पहले हरी मिर्च को बीच में से चीरें और टमाटर, हरा धनिया बारीक काट लें। अब मिक्सर जार में 1 टेबलस्पून जीरा, लहसुन पुत्थी, धनिया स्टेम और काली मिर्च डालकर ब्लेंड करें। इसका मोटा पेस्ट तैयार करने के बाद मिश्रण को एक बाउल में निकालकर अलग रख दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें राई, सूखी लाल मिर्च, हींग और कढ़ी पत्ते डालकर कुछ देर तक भूनें। अब इसमें तैयार किया मसाला पेस्ट मिलाएं और एक मिनट तक फ्राई करें। इसके बाद कड़ाही में बारीक कटा टमाटर, हल्दी, मिर्च और स्वादानुसार नमक मिक्स कर दें। अब मिश्रण को तब तक भूनें जब तक कि टमाटर नरम न हो जाए। जब टमाटर सॉफ्ट हो जाए तो इसमें इमली का एक्स्ट्रेक्ट और 3 कप पानी डाल दें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद कड़ाही को ढंक दें और लगभग 10 मिनट तक रसम को पकने दें। इस दौरान बीच-बीच में रसम को चलाते भी रहें। इसे तब तक पकाना है जब तक कि रसम का कच्चापन खत्म न हो जाए। जब रसम अच्छे से उबल जाए तो इसमें बारीक कटी हरी धनिया पत्ती डाल दें। टेस्टी रसम बनकर तैयार है। इसे चावल के साथ सर्व करें।

# बच्चों का दिमाग बनेगा शार्प, हमेशा रहेगा एक्टिव

## रुटीन में शामिल करें इन चीजों को

**बच्चों के बेहतर विकास के लिए पेरेंट्स अक्सर बच्चों को हेल्दी डाइट देने पर फोकस करते हैं। बेशक पोषक तत्वों से भरपूर आहार बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में मददगार होता है। मगर बच्चों का दिमाग शार्प करने के लिए सिर्फ हेल्दी डाइट ही काफी नहीं होती हैं। ऐसे में 5 चीजों को बच्चों के रूटीन में शामिल करके आप ब्रेन के साथ-साथ हेल्थ को भी बेहतर बना सकते हैं।**

न्यूट्रिएंट्स रिच फूड बच्चों को हेल्दी रखने का काम करता है। मगर बच्चों के माइंड को शार्प बनाने के लिए कुछ एक्टिविटीज ट्राई करना बेहद फायदेमंद होता है। ऐसे में इन एक्टिविटीज को बच्चों के डेली रूटीन का हिस्सा बनाकर आप न सिर्फ उनकी ग्रोथ रेट को ट्रिगर कर सकते हैं बल्कि बच्चों को फिजिकली और मेंटली एक्टिव भी रख सकते हैं।

**पजल सॉल्व करवाएं**

पजल गेम्स को दिमाग शार्प करने की बेस्ट एक्सरसाइज माना जाता है। ऐसे में आप बच्चों को हर रोज 15-20 मिनट तक पजल सॉल्व करने के लिए दे सकते हैं। इससे बच्चों का दिमाग तेज होता है। साथ ही पजल गेम्स की मदद से आप बच्चों को मोबाइल से भी दूर रख सकते हैं।

**मेडिटेशन प्रेक्टिस ट्राई करें**

बच्चों के माइंड को शार्प बनाने के लिए मेडिटेशन प्रेक्टिस करना बेस्ट ऑप्शन होता है। ऐसे में बच्चों को डेली मेडीटेशन करने की सलाह दें। इससे बच्चों का दिमाग शांत और नियंत्रण में रहता है।

**इमेजीनेशन होगी मददगार**

बच्चों की इमेजीनेशन पावर को बूस्ट करके भी आप उनके माइंड को शार्प बना सकते हैं। स्ट्रांग इमेजीनेशन पावर से बच्चों की सोचने की शक्ति का भी विकास होगा है। वहीं विजुअलाइजेशन की मदद से बच्चे पढ़ी हुई चीजों को भी लम्बे समय तक याद रख सकते हैं।

**बच्चों से कराएं डांस**

डांस को बच्चों की बेस्ट फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज में गिना जाता है। नियमित रूप से डांस करके न सिर्फ बच्चे फिजिकली हेल्दी रह सकते हैं बल्कि बच्चों का दिमाग भी एक्टिव और स्ट्रांग रहता है।

**शतरंज खेलने को दें**

बच्चों के माइंड को शार्प बनाने के लिए शतरंज का खेल भी बेस्ट हो सकता है। कई रिसर्च के अनुसार चेस खेलने से लोगों की मेंटल ग्रोथ तेजी से होने लगती है। ऐसे में बच्चों की चेस में दिलचस्पी पैदा करके आप उनके दिमाग को तेज कर सकते हैं।

**महात्मा गांधी उद्यानकी और वानिकी विश्वविद्यालय नजदीक, सांकरा का ऑक्सीजोन बना कबाड़खाना, हरियाली या बदहाली**

# शराब की बोतल और प्रेमी प्रेमिकाओं का अड्डा बना ऑक्सीजोन,जिम्मेदार है मौन

**अम्लेश्वर।** पाटन विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सांकरा में करोड़ो की लागत से बना ऑक्सीजोन अब कबाड़खाने में तब्दील होने लगा है। ना तो रख रखाव है, ना इसकी देखभाल हो रही है। जगह जगह टूट फूट साफनजर आ रहा है आने वाला में अब सिर्फ एक दुक्के ही लोग होते है। शासन ने करोड़ों रुपया खर्च कर अम्लेश्वर से पाटन जाने वाले मार्ग में ऑक्सीजोन का निर्माण किया था । जो अम्लेश्वर से लगभग 5 से 6 किलो मीटर की दूरी पर है। सबसे बड़ी बात उसके ठीक सामने महात्मा गांधी वानिकी और उद्यान की विश्वविद्यालय लगभग तैयार हो रहा है। लेकिन सांकरा का ऑक्सीजन इस के अंतर्गत नहीं आता वह उनके अधिकार में नहीं है। सवाल उठता है आखिर इसकी देखभाल और रख रखाव का काम कौन कर रहा है। विडंबना यहां है कि राज्य का गौरव महात्मा गांधी वानिकी और उद्यानिकी महाविद्यालय यहीं पर है ठीक इसके पास इसके बावजूद सांकरा का ऑक्सीजन जहां पर हरियाली होनी थी वह खुद अंतिम सांस ले रहा है। हरियाली की जगह बदहाली दिखाई पड़ रही है।

**टूटी फूटी है पाइप लाइन**–ऑक्सी जोन में हजारों की संख्या में सरकार ने पेड़ लगाए ताकि हरियाली बनी रहे, लेकिन लगाने के बाद इसके देख भाल का कोई इंतजाम नही किया गया। हालाकि शुरू के कुछ साल में देख देख हुआ। लेकिन आज हर जगह पाइप लाइन टूटी हुई है ऐसे में पेड़ो को पानी नही मिल पा रहा हरियाली होनी थी लेकिन पेड़ सूख रहे है।

**इस्प्रिंक्ल बिखरे**–आसानी से देखा जा सकता है की लाखो की लागत से लिए इस्प्रिंलर पाइप कटे और बिखेर पड़े है कई टुकड़ों में तब्दील हो रहे है। इसे पेड़ो से बांधा गया है।

**जानवरों का चारागाह**–आसपास का जानवरो के लिए सांकरा का ऑक्सीजोन चारागहा बन चुका है पेड़ के पत्ते और बचे हुए घास फूस का खाकर स्वच्छ विचरण कर रहे है।

**पेवर ब्लॉक उखड़े**–ऑक्सीजोन के कई स्थानों में आने जाने वाले पर्यटकों के लिए पेवार ब्लॉक लगाए गए लेकिन आज इनकी स्तिथि जर्जर हो चुकी है कई कार्नर से उखड़ गए है।

**सीमेंट पोल गायब**–चारो ओर इसके सीमेंट पोल से ऑक्सीजोन के एरिया को कवर किया गया था अब आलम यह है कई जगहों से सीमेंट के पोल गायब है या वही पर गिरकर टूट गए है।

**शराब की बोतल और प्रेमी प्रेमिकाओं का अड्डा**–यहां पर किसी प्रकार का कोई गार्ड,चपरासी या विभाग का आदमी नहीं है इसलिए अब यह असामाजिक तत्वों के हाथ लग रहा है यहां पर कई स्थान पर शराब की बोतल, डिस्पोजल दिखाई पड़ रहे हैं। आए दिन यहां पर प्रेमी प्रेमिकाओं का जोड़ा भी दिखाई पड़ रहा है।

**अवैध कब्जा का खतरा**–सांकरा का ऑक्सीजन क्योंकि रोड से लगा हुआ और काफी लंबा है इसलिए आसपास अवैध कब्ज़ा का भी खतरा मंडरा रहा है।

## चाइनीज मांझा जब्त, दो दुकानदारों पर कार्रवाई

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में चाइनीज मांझा के बढ़ते उपयोग और उससे होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नगर निगम एक बार फिर सख्त रुख अपनाने जा रहा हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर मांझा रोकथाम के लिए एक संयुक्त टीम का गठन किया अतिक्रमण टीम द्वारा जो पूरे शहर में अभियान चलाकर दुकानों एवं गोदामों में छापामार कार्रवाई करेगी। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर के नेतृत्व में टीम अमला ने वार्ड 52 बोरसी जांच कार्रवाही के लिए पहुंचकर जय शंकर किराना स्टोर्स में मांझा की जांच की। इस दौरान प्रतिबंधित मांझा जब्त किया और तत्काल 5 हज़ार रुपये का जुर्माना राशि वसूल किया गया।चाइनीज़ मांझा पर नगर निगम की लगातार कार्रवाई शुरू,मांझा बेचने-भंडारण करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। शहर क्षेत्र अंतर्गत निरन्तर निगम के बाजार विभाग और अतिक्रमण विभाग की संयुक्त टीम अब शहर में घूम-घूमकर चाइनीज मांझा की खरीद-फरोख्त, परिवहन, भंडारण और उपयोग पर निगरानी रखेगी तथा नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई शुरू की गई है।

# जनवरी में स्वच्छता सर्वेक्षण, अभी सफाई संतोषजनक नहीं, प्रभारियों को सुधार के निर्देश

### स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई, निगम आयुक्त ने गिनाई कमियां

**राजनांदगांव।** सफाई व्यवस्था में बेहतर सुधार लाने के लिए नगर निगम में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की गई। इसमें आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में उच्च स्थान प्राप्त करने सफाई व्यवस्था में सुधार के साथ साथ लोगों को स्वच्छता से जोड सफाई में सहयोग करने एवं प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने नागरिकों एवं व्यापारियों को समझाईश देने के निर्देश दिये। आयुक्त विश्वकर्मा ने बैठक में कहा कि जनवरी में स्वच्छता सर्वेक्षण होना है, पर आज की स्थिति में सफाई संतोषजनक नही है। उन्होंने वार्डवार सफाई कर्मचारियों की जानकारी लेकर कहा कि सभी सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारी अपने अपने प्रभारित वार्ड में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान दे, प्रतिदिन सुबह निर्धारित समय में सफाई कार्य कराये, अपने अपने प्रभारित वार्ड में प्रतिदिन निरीक्षण करे, प्रातः 6 बजे उपस्थिति लेना सुनिश्चित करे। कई कर्मचारी 7 बजे के बाद काम में आते है, ऐसे कर्मचारियो को समझाईश दे। अपालन पर अनुपस्थित करे। उन्होंने सड़कों व गलियों की सफाई कर कचरा उठाने एवं नाली निकालने के बाद तत्काल कचरा उठाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वार्डो में प्लानिंग कर कार्य करावे, जैसे कुछ क्षेत्र में रोज सफाई करना है, वहां रोज करावे एवं कुछ क्षेत्र में गेप कर सफाई की आवश्यकता है वहा आवश्यकता अनुसार सफाई करावे। इसी प्रकार मुख्य मार्गो की पहली सफाई करे, ताकि आवागमन के पहले रोड साफ हो सके, उसके पश्चात गली व मोहल्लो की सफाई करे। आयुक्त विश्वकर्मा ने कहा कि अपने अपने वार्ड के गली मोहल्लो के अलावा सार्वजनिक व खुली जगह की भी सफाई करे, खुली जगह में कचरा डालते पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि मुक्कड को कम से कम करना है, इसके लिये कचरा जमा न करे, अनावश्यक कचरा डालने वालो पर भी कार्यवाही करे। इसके अलावा जिन लोगों के द्वारा नाली या घर के पीछे कचरा डाला जाता है उन्हें समझाईस देवे, अपालन पर कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, बाजार क्षेत्रो, कुआ, तालाब बोरिंग आदि स्थानों पर भी साफ-सफाई करना सुनिश्चित करे।

# पार्षद की पहल : तकनीकी शिक्षा से जोड़ रहे, साथ ही कंप्यूटर का फ्री एजुकेशन

**पूर्व में पार्षद आलोक श्रोती ने बिना सरकारी मदद के स्कूल को मॉडल बनाया**

**राजनांदगांव।** वार्ड के विकास के साथ शिक्षा को लेकर सजग शहर के मोहारा वार्ड के पार्षद आलोक श्रोती एक और पहल करते हुए अपने वार्ड के विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ रहे हैं। इसके लिए वह उन्हें निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलवा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने इस वार्ड के स्कूल को बिना शासकीय मदद के मॉडल बनाया। तो वही अब वार्ड के विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा का तकनीकी ज्ञान दिलाने जुटे हुए हैं।आधुनिकता के बीच एआई के दौर में कंप्यूटर का तकनीकी ज्ञान हर क्षेत्र में काफी आवश्यक हो गया है। शासकीय नौकरी से लेकर प्राइवेट सेक्टर में कंप्यूटर ज्ञान की काफी महत्ती आवश्यकता नजर आती है। शहर का वार्ड नंबर 47 मोहरा श्रमिक बाहुल्य वार्ड है,इस वार्ड में प्रतिभावान बच्चे भी हैं लेकिन आर्थिक कमजोरी के चलते वह कंप्यूटर कोर्स करने में पीछे हो रहे थे । जिससे वाकिफ होते हुए वार्ड के पार्षद आलोक श्रोती ने एक अभिनव पहल की और वार्ड में सर्वे करते हुए कक्षा 10वीं, 12वीं और कॉलेज में अध्यनरत विद्यार्थियों का एक बैच तैयार किया, जिन्हें कंप्यूटर शिक्षा के लिए प्राइवेट इंस्टिट्यूट में भेजा गया। यहां उन्हें 3 महीने का डिप्लोमा कोर्स कराया गया। कोर्स कंप्लीट होने के बाद पार्षद के द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किया गया । इस दौरान प्रमाण पत्र लेते हुए विद्यार्थियों के चेहरे में काफी खुशी नजर आई।

### नौकरी का मिलेगा अवसर

तीन महीने का सर्टिफिकेट कोर्स के लिए 3 हजार रुपए के करीब फीस थी जो देने में विद्यार्थी सक्षम नहीं थे। पार्षद ने भविष्य में कंप्यूटर शिक्षा की अनिवार्यता को समझते हुए ऐसे विद्यार्थियों को स्वयं के खर्चे पर निःशुल्क प्रशिक्षण दिलवाया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र सत्येंद्र दुबे और छात्रा यशोदा यादव ने बताया कि उन्हें कंप्यूटर का तकनीकी ज्ञान दिलाने के लिए निःशुल्क मिले इस प्रशिक्षण से आगे भविष्य में नौकरी के लिए काफी लाभ होगा । उन्होंने कहा कि काफी समय से टैली सीखने का मन था जो इस कोर्स से पूरा हुआ है। पार्षद आलोक श्रोती के द्वारा 8 छात्राएं और 4 छात्रों को प्रशिक्षण दिलाया गया है । इसके पीछे सोच को लेकर उन्होंने कहा कि वार्ड में प्रतिभावान बच्चे हैं लेकिन आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होने के चलते शिक्षा के क्षेत्र में पीछे हो रहे थे। पार्षद ने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। उनका लक्ष्य है कि वार्ड के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों को वह कंप्यूटर डिप्लोमा और एआई कोर्स करवा पाए।

## ग्राम पंचायत आगेसरा द्वारा एनएसएस कैम्प राष्ट्रीय सेवा योजना को दी गई विदाई

**जामगांव आर।** मदन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय अरमरीकला द्वारा ग्राम पंचायत आगेसरा में दिनांक 08 दिसम्बर 2025 से 14 दिसंबर तक एक सप्ताह के लिए आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन की बेला में महाविद्यालय से पहुंचे हुए सभी एनएसएस वालंटियर तथा उसके शिक्षकों को सम्मान पूर्वक विदाई दिया गया। विदाई पूर्व सभी ह्स्स्‍ वॉलिंटियरों के द्वारा ग्राम पंचायत आगेसरा में स्वच्छता, जल संरक्षण, योगा, खेलकूद के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। तथा सांस्कृतिक कायक्रम के माध्यम से अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत किया। विदाई के बेला में ग्राम पंचायत आगेसरा के सरपंच रमाकांत साहू द्वारा महाविद्यालय के सभी शिक्षकों तथा NSS के छात्र-छात्राओं को धन्यवाद देते हुए अग्रिम भविष्य की कामना के साथ विदाई दिया गया। इस मौके पर ग्राम पंचायत आगेसरा के उप सरपंच सुशीला साहू तथा समस्त पंचगण केशव सोनी रोहित साहू थान सिंह पटेल एकेश्वर साहू उर्वशी सोनी ईश्वरी साहू प्रेमलता साहू हेमलता पटेल रामहीन निषाद। विदाई कार्यक्रम की इस पावन बेला में आभार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के NSS प्रभारी प्रमोद भारती द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद भारती, महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक कमलेश्वर साहू, प्रदीप साहू डॉ रमेश साहू, अंजनी पैकरा सुमन कश्यप, रूद्र प्रताप सोम उपस्थित रहे।

## 25 लाख की लागत से होगा तहसील साहू संघ पाटन के प्रथम तल का निर्माण,सामाजिक पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने किया भूमिपूजन

**अम्लेश्वर।** नगर पंचायत पाटन स्थित तहसील साहू संघ पाटन में अरुण साव मंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृत साहू सदन पाटन में प्रथम तल निर्माण की भूमिपूजन कार्यक्रम 15 दिसंबर को संपन्न हुआ। साव ने तहसील स्तरीय कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह समारोह अम्लेश्वर डीह में बतौर मुख्य अतिथि सामिल होकर घोषना की थी जो पूर्ण हो रहा है। आपको बता दें भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निक्की भाले अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन, कार्यक्रम के अध्यक्षता नंद लाल साहू अध्यक्ष, जिला साहू संघ दुर्ग ने किया अन्य अतिथिगण पार्षदगण नगर पंचायत पाटन के निशा सोनी, केवल देवांगन, नेहा बाबा वर्मा, देवेंद्र ठाकुर, जीतू निर्मलकर, चंद्रशेखर देवांगन सहित जिला और तहसील के पदाधिकरी कृष्णा साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू, विमला साहू, डूलेश्वर साहू उपाध्यक्ष, संघठन सचिव भुनेश्वरी साहू, नारद साहू कोषाध्यक्ष, अशोक साहू, दिनेश साहू,प्रशांत साहू,सुनील साहू, गंगादीन साहू रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना से हुई। स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का संचालन लालेश्वर साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ पाटन ने दिया।आभार व्यक्त अश्वनी साहू ने किया। सभी अतिथियों ने उप मुख्यमंत्री अरूण साव का आभार व्यक्त किया ऊपर प्रथम तल का निर्माण 25 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार से समाज की विकास के लिए और मांग रखी जाएगी। अभी निर्माण कार्य शुरू करने के लिए औपचारिक रूप से भूमिपूजन किया गया है आने वाले समय में साव का पाटन आगमन होगा फिर शिलान्यास का पत्थर लगाया जायेगा। इस अवसर पर टेस राम साहू परिक्षेत्र अध्यक्ष बेल्हारी छत्र पाल साहू,दिलीप साहू, संजू साहू, डॉ सुरेश साहू, रामनाथ, बलदाऊ साहू, प्रदीप साहू, कौशल गंजीर, पंकज साहू, कोमिन साहू, कालिंदी, गीता साहू, रविशंकर साहू,योगेश साहू, पालू राम, मधुकांत साहू, पुष्पेंद्र साहू, अशोक साहू साहू सहित समाज सेवक रामचरण साहू और अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

## महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विवि, दुर्ग में तीन दिवसीय प्रबंधकीय कौशल प्रशिक्षण का हुआ सफल आयोजन

**अम्लेश्वर।** महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा दुर्ग में विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकगण एवं विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारियों के लिए पेशेवर उत्कृष्टता के लिए प्रबंधकीय कौशल विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 दिसंबर 2025 से 13 दिसंबर 2025 तक किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक्सटेंशन एजुकेशन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, आनंद (गुजरात) तथा महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय प्रशासन एवं शैक्षणिक संस्थानों में प्रबंधकीय दक्षता, प्रभावी नेतृत्व, नीति निर्धारण, समय प्रबंधन, संप्रेषण कौशल तथा मानव संसाधन प्रबंधन को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों द्वारा संगठनात्मक उत्कृष्टता, टीम निर्माण, समस्या समाधान, निर्णय लेने की क्षमता एवं संस्थागत विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्याख्यान एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक प्रबंधन तकनीकों, सकारात्मक कार्यसंस्कृति, नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक प्रशासन के महत्व से अवगत कराया गया। सत्रों में व्यावहारिक उदाहरणों एवं अनुभवों के माध्यम से यह बताया गया कि किस प्रकार प्रभावी प्रबंधन से विश्वविद्यालयों की कार्यकुशलता बढ़ाई जा सकती है। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कुलपति प्रो. रवि आर. सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति महोदय ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के समग्र विकास, पारदर्शी प्रशासन तथा अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

## महापौर निर्मल कोसरे का बड़ा फैसला भिलाई-चरोदा निगम के सभी 40 वार्डों में अवैध नल कनेक्शन कटेंगे

### एमआईसी बैठक में अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश

**भिलाई-चरोदा।** नगर निगम भिलाई-चरोदा कार्यालय में सोमवार 15 दिसंबर 2025 को दोपहर 2 बजे महापौर परिषद की अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महापौर निर्मल कोसरे ने की। बैठक में शहर की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। बैठक की कार्यवाही की शुरुआत निगम सचिव अश्विनी चंद्राकर द्वारा एजेंडे की जानकारी देने से हुई। उपस्थित महापौर परिषद सदस्यों एवं अधिकारियों को सभी बिंदुओं से अवगत कराया गया। सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के समीप नव-निर्मित मिलेट कैफे के संचालन विषय पर चर्चा हुई, इसके पश्चात अन्य जनहितकारी विषयों को परिषद के पटल पर क्रमवार रखा गया।

**अवैध नल कनेक्शन पर महापौर का सख्त रुख**–पानी की चोरी बर्दाश्त नहीं- निर्मल कोसरे बैठक में महापौर निर्मल कोसरे ने जल आपूर्ति व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश देते हुए कहा कि– नगर निगम क्षेत्र के सभी 40 वार्डों में अवैध नल कनेक्शन की पहचान कर उन्हें तत्काल विच्छेद किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि पाइप लाइन विभाग में आवश्यक सामग्री की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा न आए और वैध उपभोक्ताओं को असुविधा न हो। बैठक में महापौर परिषद के सभी सदस्य मोहन साहू, मनोज डहरिया, एस. वेंकट रमना, ईश्वर साहू, एम. जॉनी, देवकुमारी भलावी, संतोषी निषाद एवं दिप्ती आशीष वर्मा, निगम कमिश्नर बी.एस. राजपूत, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, सचिवालय लिपिक अंकित यदु एवं जनसंपर्क प्रभारी विकास चंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।

## बेदखली की कार्रवाई के डर से पीएम आवास योजना के हितग्राहियों ने चुकाई पाँच वर्ष पुरानी बकाया किश्त

**निगम की सख्ती के आगे झुके हितग्राही, 30 हजार रुपये की बकाया राशि जमा**

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित सुयश बिल्डिंकॉम परिसर में स्थित दो आवासों के हितग्राहियों द्वारा निर्धारित किश्त की राशि लंबे समय से जमा नहीं की जा रही थी। निगम रिकॉर्ड के अनुसार लगभग पाँच वर्षों से बकाया राशि लंबित थी, बावजूद इसके संबंधित हितग्राहियों द्वारा भुगतान नहीं किया गया। निगम द्वारा बार-बार नोटिस जारी कर समझाइश दी गई, परंतु इसके बाद भी हितग्राही किश्त जमा करने में टालमटोल करते रहे। इसके चलते निगम प्रशासन ने अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर के नेतृत्व में अधिकारी-कर्मचारियों की टीम के साथ मौके पर पहुँचकर बेदखली की कार्रवाई प्रारंभ की। कार्रवाई के दौरान हितग्राहियों ने पहले भुगतान को लेकर आनाकानी की, लेकिन जब निगम द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए आवास खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की गई, तब बेदखली के भय से दोनों हितग्राही–पुनीता देवी एवं दौलावती देवी–ने निगम में 30,000 की बकाया किश्त राशि जमा कराई। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा की टीम मौके पर मौजूद रही और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण की गई। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिन हितग्राहियों द्वारा किश्त की राशि समय पर जमा नहीं की जाएगी, उनके विरुद्ध आगे भी सख्त वैधानिक कार्रवाई एवं बेदखली की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। निगम का उद्देश्य योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करना है, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

## शीतलहर से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश

**दुर्ग।** जिले में बढ़ती ठंड और शीत लहर के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों को देखते हुए, जिला प्रशासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन की सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शीत लहर (कोल्ड वेव्स) के कारण हाइपोथर्मिया और फ्रॉस्टबाइट जैसी गंभीर समस्याएँ हो सकती हैं। इसलिए, सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन निर्देशों का गंभीरता से पालन कर स्वयं को और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

**शीत लहर क्या है?**–शीत लहर एक ऐसी स्थिति है जिसमें हवा का तापमान सामान्य से काफी नीचे गिर जाता है। हवा का दबाव बढ़ जाता है, ठंडी हवाएं चलने लगती है। फ्रॉस्ट या बर्फ जमने लगती है।

**ठंड की लहर के दौरान क्या करें?**–ठंड के प्रकोप से बचाव के लिए नागरिक गर्म कपड़े पहनें। यदि कपड़े गीले हो जाएँ, तो उन्हें तुरंत बदलकर सूखे कपड़े धारण करें। विशेष ध्यान देते हुए, बच्चों और बुजुर्गों को हर समय गर्म रखें, क्योंकि वे ठंड के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। अपने शरीर को अंदर से गर्म रखने के लिए, गरम पेय पदार्थों का सेवन करें और पौष्टिक भोजन करें। यदि आप बाहर काम कर रहे हैं, तो शरीर को सामान्य तापमान पर रखने के लिए बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। इन उपायों से ठंड के कारण होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है।

**ठंड की लहर के दौरान क्या न करें?**–ठंड की लहर के दौरान कुछ गतिविधियों से सख्ती से बचना चाहिए। बिना किसी आवश्यक कार्य के ठंड में बाहर न जाएँ। शरीर को ठंड से बचाने के लिए पतले या गीले कपड़े बिलकुल न पहनें। ठंड से राहत पाने के लिए आग के बहुत पास न बैठें, क्योंकि यह त्वचा को नुकसान पहुँचा सकता है। शराब का सेवन न करें, क्योंकि यह शरीर की गर्मी कम करने की प्रक्रिया को भ्रमित कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com